Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 231
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार,21 मार्च 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 कम करेंगे उच्च जोखिम प्रसूताओं की संख्या ट्रेनिंग में 4 अकेले ट्रेवल करना चाहती हैं तो ये जगहें हैं 7 बिकिनी फोटोज के लिए ट्रोल हुई आरती सिंह

कान्हा नगरी मथुरा में बोलीं राष्ट्रपति मुर्मू

सशक्त और आत्मनिर्भर भारत तभी संभव है, जब इसके नागरिक स्वस्थ हों

मथुरा (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत तभी संभव है, जब इसके नागरिक स्वस्थ हों। मुर्मू ने यहां वृंदावन स्थित रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम में नवनिर्मित 'नंद किशोर सोमानी ऑन्कोलॉजी ब्लॉक' (कैंसर चिकित्सा केंद्र) के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, "एक सशक्त और 'आत्मनिर्भर' भारत तभी संभव है, जब इसके नागरिक स्वस्थ हों।" उन्होंने कहा, "आज कैंसर सबसे गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। इस बीमारी का समय पर पता चलना और उच्चस्तरीय उपचार मरीज की जान बचाने में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।" उन्होंने कहा, "लेकिन कुछ परिवारों की आर्थिक स्थितियां इतनी खराब होती हैं कि उन्हें इस बीमारी का इलाज मुश्किल या लगभग असंभव सा लगता है।" मुर्मू ने कहा, "ऐसे समय में जनसेवा की भावना से काम करने वाले संगठन समाज कल्याण में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं।" अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि जागरूकता अभियानों और समय पर जांच की सुविधाएं उपलब्ध कराकर कैंसर की रोकथाम और उसके प्रभावी इलाज पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्?होंने कहा, "आज, भारत अपने स्वास्थ्य सेवा ढांचे को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है कि गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल हर नागरिक तक पहुंचे।" मुर्मू ने कहा कि केंद्र सरकार देश के स्वास्थ्य सेवा ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए ठोस और निरंतर कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, "आयुष्मान भारत जैसी ऐतिहासिक योजनाओं के माध्यम से, लाखों नागरिकों को किफायती और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। कैंसर का इलाज भी आयुष्मान भारत योजना के दायरे में आता है, जिससे गरीब और जरूरतमंद मरीजों को लाभ मिल रहा है।" उन्होंने यह भी कहा कि पूरे देश में नये एम्?स और मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ हो रही हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत, स्वास्थ्य सेवाओं को प्रौद्योगिकी के साथ एकीकृत किया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता और दक्षता में वृद्धि हो रही है। टेलीमेडिसिन और ई-स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से, लोग अब अपने घर बैठे ही विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श कर सकते हैं।

धामी कैबिनेट में नए मंत्रियों की एंट्री, विधायक खजान दास दूसरी बार बने मंत्री

सरल स्वभाव पहचान

देहरादून (एजेंसी)। धामी मंत्रिमंडल में पांच नए मंत्रियों की ताजपोशी की गई। राजपुर विधायक खजान वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं। नवरात्र के दूसरे आज धामी मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ और पांच नए मंत्रियों को एंट्री मिली। इन पांच मंत्रियों में सबसे पहले शपथ लेने पहुंचे राजपुर विधायक खजान दास दूसरी बार मंत्री बने हैं। खजान दास की पहचान सरल स्वभाव है। शुक्रवार को राज्यपाल ने राजपुर विधायक खजान दास सहित पांचों नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। पहली बार 2007 में धनोल्टी से विधायक चुने जाने के बाद उन्होंने देहरादून का रुख किया। 2017 में दूसरा विधानसभा चुनाव राजपुर रोड सीट से जीता। 2022 के चुनाव में भी इसी सीट से जीत दर्ज की। इससे पूर्व वे निशंक की सरकार में खेल, समाज कल्याण एवं शिक्षा मंत्री रहे हैं। खजानदास वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं। हर मुद्दे पर उनकी सहजता और उनके व्यक्तित्व की सरलता उनकी पहचान है। धामी मंत्रिमंडल में मैदान से लेकर पहाड़ तक संतुलन बनाया है। पहली बार हरिद्वार को दो कैबिनेट मंत्री मिले। अब कैबिनेट में गढ़वाल के आठ और कुमाऊं के चार मंत्री हैं। तीन विधायक पहली बार कैबिनेट मंत्री बने।

रेलवे के छह अधिकारियों पर गिरी गाज, प्रशासन ने कहा- सेवा मानकों से समझौता मंजूर नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने छह अधिकारियों को जबरन रिटायर कर साफ संकेत दिया है कि गैर-प्रदर्शन बर्दाश्त नहीं होगा। साथ ही अक और स्मार्ट तकनीकों के जरिए सुरक्षा व संचालन दक्षता को भी तेजी से मजबूत किया जा रहा है। भारतीय रेलवे ने जवाबदेही और कार्यकुशलता को लेकर बड़ा कदम उठाते हुए छह अधिकारियों को सेवा से अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त कर दिया है। यह कार्रवाई भारतीय रेलवे स्थापना संहिता (IREC), वॉल्यूम-2 के नियम 1802(ˇ) के तहत की गई है, जो प्रशासन को सार्वजनिक हित में अधिकारियों को समयपूर्व सेवानिवृत्त करने का अधिकार देता है। इस फैसले से प्रशासन का संदेश क्या है? रेलवे के इस फैसले को संगठन में जवाबदेही और प्रदर्शन आधारित संस्कृति को मजबूत करने के रूप में देखा जा रहा है। संकेत साफ है कि गैर-प्रदर्शन और अक्षमता को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारियों और कर्मचारियों को भी इस कार्रवाई से सख्त संदेश गया है कि सेवा मानकों से समझौता अब स्वीकार्य नहीं होगा।

मौसम ने अचानक ली करवट, पहाड़ों पर बर्फबारी से बढ़ी ठंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी विक्षोभ के चलते उत्तर भारत में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के पहाड़ों और मैदानी इलाकों में बारिश और बर्फबारी के साथ कड़ाके की ठंड दर्ज की गई है। मौसम में बदलाव का असर साफ महसूस हुआ। तापमान में गिरावट आई है। दिल्ली-एनसीआर में सुबह से ही बादल छाए रहे और शाम होते-होते गरज-चमक के साथ कई जगह हल्की से मध्यम बारिश हुई। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई है, जिससे वहां ठंड और बढ़ गई है। इसका असर मैदानी इलाकों में भी देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 से 48 घंटों के दौरान पहाड़ों पर मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय रहेगा, जिसके असर से उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले भागों पर मौसम खराब रहेगा। इस दौरान 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और मेघ गर्जन के साथ बारिश और बर्फबारी होगी। इधर, समूचे उत्तर भारत में विक्षोभ के प्रभाव से बादलों की आवाजाही जारी है।

इस्त्राइली हमले में आईआरजीसी प्रवक्ता और खुफिया मंत्री की मौत

तेहरान में हड़कंप

तेहरान (एजेंसी)। ईरान से एक बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के मुख्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल अली मोहम्मद नैनी एक भीषण हमले में मारे गए हैं। दावा किया जा रहा है कि यह हमला अमेरिका और इस्त्राइल की ओर से संयुक्त रूप से किया गया था। इस बात की पुष्टि ईरान के सरकारी मीडिया ने की है। ईरान को झटके पर झटका इतना ही नहीं, अभी ईरान इस झटके से उबर भी नहीं पाया था कि देश के खुफिया मंत्री इस्माइल खतीब की भी एक हमले में मौत हो गई। सर्वोच्च नेता मोज्तबा खामेनेई ने खतीब की मौत पर शोक व्यक्त किया है। जानकारी के मुताबिक, ब्रिगेडियर जनरल नैनी को निशाना बनाकर किए गए हमले में अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया गया। नैनी केवल इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रवक्ता ही नहीं थे, बल्कि वे ईरान के मनोवैज्ञानिक युद्ध के मास्टरमाइंड भी माने जाते थे। ईरान की आंतरिक सुरक्षा पर उठ रहे सवाल वहीं, खुफिया मंत्री इस्माइल खतीब की मौत ईरान की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था पर एक बड़ा सवालिया निशान खड़ा करती है। खतीब पर देश के भीतर और बाहर जासूसी नेटवर्क को मजबूत करने की जिम्मेदारी थी। विशेषज्ञों का मानना है कि एक ही समय में सैन्य प्रवक्ता और खुफिया प्रमुख का मारा जाना इस बात का संकेत है कि हमलावरों के पास ईरान के सुरक्षा घेरे की सटीक जानकारी थी। क्षेत्र में चरम पर तनाव इन हाई-प्रोफाइल मौतों के बाद पूरे पश्चिम एशिया में खतरे के बादल मंडराने लगे हैं। तेहरान के गलियारों में बदले की मांग तेज हो गई है।

पीएम मोदी ने थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन को दी बधाई

कहा- और मजबूत करेंगे साझेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने अनुतिन चर्नविराकुल को थाईलैंड का नया प्रधानमंत्री बनने पर

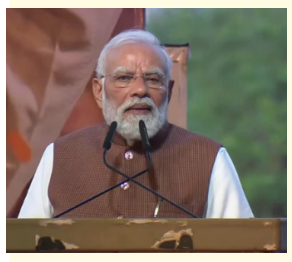

शुभकामनाएं दीं। उन्होंने दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और रणनीतिक रिश्तों को मजबूत करने की बात कही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अनुतिन चर्नविराकुल को थाईलैंड का प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों नेता मिलकर भारत और बैंकॉक के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करेंगे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा किया। उन्होंने कहा कि भारत और थाईलैंड के रिश्ते साझा सभ्यता और संस्कृति पर आधारित हैं। दोनों देशों के लोगों के बीच बहुत पुराने और गहरे संबंध हैं। उन्होंने जोर दिया कि दोनों देश शांति, प्रगति और समृद्धि के साझा लक्ष्यों के लिए एकजुट हैं। थाईलैंड के निचले सदन ने गुरुवार को अनुतिन चर्नविराकुल को देश का नया प्रधानमंत्री चुना। उन्हें कुल 293 वोट मिले। 59 साल के अनुतिन को 8 फरवरी के आम चुनाव के बाद संसदीय मतदान में चुना गया है। उनके प्रतिद्वंद्वी नत्थाफोंग रुआंगपान्यवुत को सिर्फ 119 वोट मिले। मतदान के दौरान 86 सदस्यों ने हिस्सा नहीं लिया। अनुतिन की पार्टी 'भूमजईथाई' ने 500 सीटों वाले सदन में 191 सीटें जीती थीं। उन्होंने पीपुल्स पार्टी को पीछे छोड़ दिया, जिसे 120 सीटें मिली थीं। इसके बाद अनुतिन ने 16 पार्टियों का एक गठबंधन बनाया। इसमें फेउ थाई पार्टी भी शामिल है। इस गठबंधन के पास कुल 292 सीटें हैं। अनुतिन पिछले दो दशकों में दोबारा सत्ता में लौटने वाले पहले थाई प्रधानमंत्री बने हैं। हालांकि, उनके सामने कई चुनौतियां भी हैं। उन्हें साल 2022 में भांग (कैनबिस) को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के लिए जाना जाता है। अगस्त 2025 में पैतोंगतार्न शिनावात्रा को पद से हटा दिया गया था। कंबोडियाई नेता हुन सेन के साथ उनकी फोन कॉल लीक होने के बाद कोर्ट ने यह फैसला सुनाया था। इसके बाद अनुतिन ने अल्पसंख्यक सरकार का नेतृत्व किया था। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद भी एक बड़ी समस्या है। दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम के बाद फिर से लड़ाई शुरू हो गई थी। इस संघर्ष ने अनुतिन को अपनी राष्ट्रवादी छवि मजबूत करने और बहुमत हासिल करने का मौका दिया। अनुतिन के पिता चवरत चर्नविराकुल ने एक बड़ी निर्माण कंपनी 'सिनो-थाई इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन' की स्थापना की थी। अनुतिन ने साल 2004 में अरबपति थाक्सिन शिनावात्रा के प्रशासन से राजनीति में कदम रखा था। साल 2007 में कोर्ट ने थाक्सिन की पार्टी को भंग कर दिया था। इसके बाद अनुतिन पर भी पांच साल के लिए राजनीति से प्रतिबंध लगा दिया गया था। इसके बाद वे साल 2012 में भूमजईथाई पार्टी के नेता के रूप में राजनीति में वापस लौटे।

पश्चिम एशिया में युद्ध से यूपी डिफेंस सेक्टर को मिला बूस्ट

12 हजार करोड़ का बाजार दोगुना होने के आसार

लखनऊ (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद वैश्विक रक्षा जरूरतों में उछाल ने उत्तर प्रदेश के डिफेंस सेक्टर के लिए बड़ा बाजार खोल दिया है। बढ़ते ऑर्डर और निर्यात के चलते प्रदेश का डिफेंस उत्पादन 12 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर जल्द 24 हजार करोड़ तक पहुंच सकता है। गोला-बारूद, आर्टिलरी पार्ट्स, बुलेटप्रूफ जैकेट, सीमित ड्रोन और हेलमेट जैसे उत्पादों की भारी मांग है। एंटी ड्रोन सिस्टम यूपी में बन रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध और हालिया पश्चिम एशिया संकट ने दुनिया की रक्षा रणनीति को पूरी तरह बदल दिया है। अब पारंपरिक युद्ध की जगह ड्रोन, स्मार्ट हथियार और एंटी मिसाइल सिस्टम पर फोकस बढ़ गया है। प्रदेश पहले से ही डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग का बड़ा केंद्र रहा है, जहां डीआरडीओ, आर्डिनेंस फैक्ट्रियां और कई निजी कंपनियां सक्रिय हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में एमएसएमई इकाइयां गोला-बारूद, आर्टिलरी पार्ट्स, बुलेटप्रूफ जैकेट और हेलमेट जैसे उत्पाद बना रही हैं। वर्तमान में यूपी का

डिफेंस उत्पादन 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक है और डिफेंस कॉरिडोर की वजह से इसके दोगुना होने की संभावना है। वैश्विक स्तर पर भी रक्षा बजट में अप्रत्याशित वृद्धि देखने को मिल रही है। जर्मनी और कनाडा जैसे देशों ने पहले रक्षा खर्च कम कर दिया था, लेकिन अब तेजी से बजट बढ़ाया है। अमेरिका पहले से ही दुनिया का सबसे बड़ा रक्षा खर्च करने वाला देश है, जबकि इस्त्राइल जैसे देश एडवांस एंटी-मिसाइल सिस्टम (जैसे आयरन डोम) पर लगातार निवेश बढ़ा रहे हैं। खास तौर पर ईरान, पश्चिम एशिया, रूस, यूक्रेन से खासी मांग है। कारोबारियों के मुताबिक अब युद्ध 'टेक्नोलॉजिकल वॉर' बन चुका है।

चार वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म की जांच की अपील, सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करने पर सहमत

नई दिल्ली (एजेंसी)। चार वर्षीय बच्ची के साथ ही दुष्कर्म के मामले पर जांच की अपील की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करने के लिए अपनी सहमति दी है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को गुरुग्राम में 4 साल की बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म की सीबीआई या एसआईटी जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने वरिष्ठ

अधिवक्ता मुकुल रोहतगी द्वारा किए गए तत्काल उल्लेख का संज्ञान लिया। इसके साथ ही मामले की सुनवाई सोमवार को तय की। वरिष्ठ अधिवक्ता ने शीर्ष अदालत को बताया कि लड़की द्वारा मजिस्ट्रेट के सामने भयावह घटना का विस्तृत विवरण देते हुए बयान देने के बावजूद पुलिस ने कुछ नहीं किया है। रोहतगी ने बताया, ₹कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। घटनास्थल की सुरक्षा नहीं की गई है। सीसीटीवी फुटेज नहीं ली गई है। घरेलू नौकरानियां इसमें शामिल हैं। मुख्य न्यायाधीश ने पहले याचिकाकताओं को उच्च न्यायालय जाने के लिए कहा। हालांकि, वरिष्ठ वकील ने कहा कि संबंधित उच्च न्यायालय चंडीगढ़ है ।

शिमला पहुंचे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी

शिमला (एजेंसी)। शिमला पहुंचने के बाद राहुल गांधी शिमला से करीब 12 किलोमीटर दूर छराबड़ा स्थित अपनी बहन प्रियंका गांधी घर के लिए रवाना हुए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला पहुंच गए हैं। शिमला पहुंचने के बाद राहुल गांधी शिमला से करीब 12 किलोमीटर दूर छराबड़ा स्थित अपनी बहन प्रियंका गांधी घर के लिए रवाना हुए। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी करीब 2-3 दिन के निजी दौरे पर शिमला आए हैं। इस दौरान वह

छराबड़ा में ही रुकेंगे। उधर, राहुल गांधी के आगमन से क्षेत्र में राजनीतिक हलचल भी बढ़ गई है। वहीं राहुल गांधी के शिमला पहुंचते ही छराबड़ा और आसपास क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पुलिस और प्रशासन ने एहतियात के तौर पर अतिरिक्त बल तैनात किया है। बता दें, इससे पहले भी राहुल गांधी शिमला आते रहे हैं। कई बार राहुल प्रियंका गांधी के साथ भी शिमला आए। प्रियंका गांधी ने छराबड़ा में पहाड़ी शैली में घर बना रखा है, जहां वह आती रहती हैं। हाल ही में प्रियंका गांधी भी एक सप्ताह पहले यहां आई थीं और चार दिन रुकने के बाद दिल्ली लौट गई थीं। अब राहुल गांधी भी शिमला पहुंचे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग पर विधानसभा में हंगामा, विधायकों ने पोडियम पर चढ़ने की कोशिश की

भुवनेश्वर (एजेंसी)। कटक के अस्पताल में लगी आग और 12 मरीजों की मौत के मुद्दे पर शुक्रवार को ओडिशा विधानसभा में खूब हंगामा हुआ। विपक्षी विधायक विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी करते हुए सभापति के आसन तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। किसी तरह से मार्शलों ने उन्हें काबू किया।ओडिशा विधानसभा में शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। दरअसल कटक के अस्पताल में आग और उसमें 12 मरीजों की मौत के मुद्दे पर बीते चार दिनों से ओडिशा विधानसभा में विपक्षी विधायक नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन

कर रहे हैं। विपक्षी विधायक इस घटना को लेकर स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग के इस्तीफे की मांग पर अड़े हैं। इस मुद्दे पर शुक्रवार को भारी बवाल हो गया और विपक्षी विधायकों ने सभापति के आसन तक पहुंचने की कोशिश की। गतिरोध तोड़ने के लिए सभापति ने बुलाई सर्वदलीय बैठक विधानसभा में जैसे ही प्रश्नकाल शुरू हुआ, वैसे ही विपक्षी विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। बीजू जनता दल और कांग्रेस के विधायकों ने हाथों में प्लेकार्ड लेकर सरकार विरोधी नारेबाजी की। इस दौरान विपक्षी विधायक वेल में पहुंच गए और पोडियम तक चढ़ने की कोशिश की। किसी तरह से विधानसभा के मार्शलों ने उन्हें रोक दिया। हंगामे के चलते पहले सदन को 11.30 बजे तक स्थगित किया गया। जब विधानसभा की कार्यवाही फिर से चालू हुई तो विपक्ष ने फिर से विरोध शुरू कर दिया, जिसके बाद सदन की कार्यवाही शाम 4 बजे तक स्थगित कर दी गई। सभापति सुरमा पाधी ने गतिरोध तोड़ने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई है। क्या हैं सत्ता पक्ष और विपक्ष के तर्क हालांकि विपक्ष अपनी मांग पर अड़ा है। विपक्ष की मुख्य सचेतक प्रमिला मल्लिक ने साफ कर दिया है कि जब तक स्वास्थ्य मंत्री नैतिक आधार पर इस्तीफा नहीं देते तब तक वे आंदोलन वापस नहीं लेंगे।

बधाई

समस्त जनपदवासियों को ईद उल-फ़ित्र की हार्दिक शुभकामनाएं।

-सम्पादक

सूचना

ईद के उपलक्ष्य में प्रेस व कार्यायल में 21 मार्च को अवकाश रहेगा।

अत: अगला अंक 23 मार्च को प्रकाशित होगा।

-व्यवस्थापक

मां विंध्यवासिनी की एक झलक पाने को बेताब रहे श्रद्धालु, जयकारे से गूंजी विंध्य धाम की गलियां

मिजार्पुर। चैत्र नवरात्रि के दूसरे दिन भी विंध्याचल धाम में भक्तों का रेला उमड़ पड़ा। मंगला आरती के बाद से ही मां विंध्यवासिनी की एक झलक पाने को श्रद्धालु बेताब रहे। माता के जयकारे से विंध्य धाम की गलियां गूंजती रहीं। चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन शुक्रवार को मां विंध्यवासिनी की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालु बेताब दिखे। खराब मौसम के बावजूद माता के जयकारे से विंध्य धाम की गलियां गूंजती रहीं। मां विंध्यवासिनी के दर्शन पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने माता काली और अष्टभुजा मंदिर पहुंचकर दर्शन पूजन किया। सुबह से ही गरज चमक के साथ बारिश के चलते कुछ मार्गों पर कीचड़ के चलते फिसलन से श्रद्धालुओं की मुश्किलें बढ़ी रहीं। मंदिर की गलियों में भोर से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। भक्तों ने मां की आराधना कर सुख समृद्धि की कामना की। शुक्रवार को मंगला

आरती के बाद से शुरू हुआ दर्शन पूजन का सिलसिला अनवरत जारी है। मां विंध्यवासिनी के गुड़हल, कमल, गुलाब के पुष्पों, रत्नजड़ित आभूषणों से दिव्य श्रृंगार के दर्शन कर श्रद्धालु निहाल हो उठे। शहनाई, शंख और ढोल-नगाड़े की ध्वनि के साथ पहाड़ावाली के जयकारे से संपूर्ण शक्ति धाम गूंज रहा था। परिक्रमा पथ की छत पर साधक वैदिक मंत्रों के बीच पूजन अनुष्ठान में लीन नजर आए। शहनाई-नगाड़े की धुन पर लोगों ने बच्चों का मुंडन संस्कार कराया। श्री विंध्य पंडा समाज के पदाधिकारी और सदस्य भक्तों की सेवा में जुटे रहे। सुरक्षा के लिए प्रशासन ने इंतजाम किए थे। जमीन पर बैठकर कपाट खुलने का किया इंतजार आरती व श्रृंगार के लिए मां विंध्यवासिनी मंदिर के कपाट एक-एक घंटे के लिए बंद रहे। इस दरम्यान लंबी कतारों में लगे श्रद्धालु अपनी जगह बैठकर कपाट खुलने का इंतजार करते रहे। मंदिर की सजावट बिखेर रही अलौकिक छटा चैत्र नवरात्र में विंध्य धाम सहित अष्टभुजा पहाड़ पर स्थित महाकाली व मां अष्टभुजी मंदिर की फूलों से की गई सजावट अलौकिक छटा बिखेर रही। विंध्याचल मंदिर के प्रमुख द्वार सहित संपूर्ण मंदिर परिसर की आकर्षक पुष्पों और रंग-बिरंगी लाइटों से की गई सजावट देख श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। गंगा स्नान के लिए उमड़े धाम क्षेत्र के गंगा घाटों पर स्नान ध्यान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ रही। सुरक्षा की दृष्टि से गंगा में बैरिकेडिंग की गई है। गोताखोर और महिला पुलिस बल भी गंगा घाट पर तैनात रहे। गंगा घाटों पर वस्त्र बदलने के लिए अस्थायी टेंट का इंतजाम है। अब हर कोई नहीं कर सकेगा वीआईपी दर्शन, पर्ची से होगी व्यवस्था नवरात्र मेला में जिला प्रशासन ने वीआईपी दर्शन के लिए पर्ची व्यवस्था कर दी है। यह जानकारी देते हुए अपर जिलाधिकारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि जिला प्रशासन, पुलिस और न्यायिक अधिकारी इस पर्ची को जारी करेंगे। इस पर्ची में वीआईपी के साथ जाने वालों की संख्या भी निश्चित होगी। उन्होंने बताया कि नवरात्र मेला में कई जगह से अधिकारी, पुलिस बल आदि आते हैं। हर कोई व्यक्ति हर किसी अधिकारी या वीआईपी को नहीं पहचान सकता। इसलिए वीआईपी के लिए यह व्यवस्था की गई है। इसके तहत अब हर कोई आदमी खास बनकर वीआईपी दर्शन का लाभ नहीं ले सकेगा। उसके लिए पर्ची से ही दर्शन की व्यवस्था होगी। अष्टभुजा पहाड़ पर देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने नवाया शीश चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन अष्टभुजा पहाड़ पर देवी मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा। काली खोह स्थित महाकाली के दरबार में दर्शन पूजन कर श्रद्धालुओं ने मंगल कामना की। वहीं अष्टभुजी देवी के धाम में पहुंचे भक्तों ने मत्था टेक कर सुख समृद्धि की कामना की। देवी दरबार पहुंचे भक्तजन माता के भव्य स्वरूप का दर्शन पाकर विभोर हो उठे। मंदिर में माता की जय जयकार के साथ ही घंटा घड़ियाल की गूंज निरंतर गूंजती रही। दूरदराज से आए श्रद्धालु माता की भक्ति में सराबोर नजर आए।

रेलवे प्रशासन द्वारा गोरखपुर यार्ड में इंजीनियरिंग कार्य के परिप्रेक्ष्य में गाड़ियों का नियंत्रण/रि-शिड्यूलिंग निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा गोरखपुर यार्ड में इंजीनियरिंग कार्य के परिप्रेक्ष्य में गाड़ियों का नियंत्रण/रि-शिड्यूलिंग निम्नवत किया जायेगा।

नियंत्रण/रि-शिड्यूलिंग-

-15089 गोड्डा-गोमती नगर एक्सप्रेस 22 मार्च, 2026 को वाराणसी मंडल में 55 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-15049 कोलकाता-गोरखपुर एक्सप्रेस 23 एवं 26 मार्च, 2026 को वाराणसी मंडल में 45 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-15104 बनारस-गोरखपुर एक्सप्रेस 23 मार्च, 2026 को वाराणसी मंडल में 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-14011 राधिकापुर-आनन्द विहार टर्मिनल एक्सप्रेस 25 मार्च, 2026 को वाराणसी मंडल में 45 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-05741 किशनगंज-लालकुआँ विशेष गाड़ी 27 मार्च, 2026 को वाराणसी मंडल में 45 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-15621 कामाख्या-आनन्द विहार टर्मिनल एक्सप्रेस 27 मार्च, 2026 को वाराणसी मंडल में 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-18630 गोरखपुर-राँची एक्सप्रेस 28 मार्च, 2026 को वाराणसी मंडल में 45 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-09190 कटिहार-मुम्बई सेन्ट्रल विशेष गाड़ी 24 मार्च, 2026 को कटिहार से 02 घंटे रि-शिड्यूल कर चलाई जायेगी।

-05579 पूर्णिया कोर्ट-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी 25 एवं 28 मार्च, 2026 को पूर्णिया कोर्ट से 02 घंटे रि-शिड्यूल कर चलाई जायेगी।

-05575 सहरसा-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी 26 मार्च, 2026 को सहरसा से 02 घंटे रि-शिड्यूल कर चलाई जायेगी।

-05736 कटिहार-अमृतसर विशेष गाड़ी 26 मार्च, 2026 को कटिहार से 01 घंटा रि-शिड्यूल कर चलाई जायेगी।

-05559 रक्सौल-उधना विशेष गाड़ी 28 मार्च, 2026 को रक्सौल से 02 घंटे रि-शिड्यूल कर चलाई जायेगी।

2026 को एकल यात्रा हेतु निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 05472 अलीपुर द्वार-नागपुर विशेष गाड़ी का संचलन अलीपुर द्वार से 21 मार्च, 2026 को एकल यात्रा हेतु निम्नवत किया जायेगा। 05472 अलीपुर द्वार-नागपुर विशेष गाड़ी 21 मार्च, 2026 को अलीपुर द्वार से 06.30 बजे प्रस्थान कर डलगांव से 08.12 बजे, न्यू माल जं. से 09.17 बजे, सिलीगुड़ी से 11.20 बजे, न्यू जलपाईगुड़ी से 11.55 बजे, अलुआबाड़ी रोड से 12.40 बजे, किशनगंज से 13.05 बजे, बारसोई से 13.52 बजे, मालदा टाउन से 16.15 बजे, रामपुर हाट 18.27 बजे, बोलपुर शान्तिनिकेतन से 19.12 बजे, बर्द्धमान से 21.15 बजे, दानकुनी से 22.12 बजे, दूसरे दिन खड़गपुर से 02.00 बजे, टाटानगर से 04.15 बजे, चक्रधरपुर से 05.20 बजे, राउरकेला से 07.00 बजे, झारसुगुडा से 09.30 बजे, रायगढ़ से 10.30 बजे, बिलासपुर से 13.00 बजे, रायपुर से 15.05 बजे तथा गोंदिया से 18.15 बजे छूटकर नागपुर 21.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 10, साधारण द्वितीय श्रेणी के 06 तथा एस.एल.आर./डी. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

महिला कांस्टेबल से छेड़खानी मामले में सिपाही पर गिरी गाज हुआ निलंबित

चंदौली। चंदौली जिले में महिला कांस्टेबल से छेड़खानी के आरोप में सिपाही अमित कुमार को निलंबित किया गया। वहीं मामले में महिला कांस्टेबल की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। चंदौली जिले के सदर कोतवाली में कार्यरत एक महिला कांस्टेबल ने वहां तैनात सिपाही अमित कुमार पर छेड़खानी का आरोप लगाया है। तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर अधिकारी मामले की जांच ने जुट गए हैं। वहीं आरोपी कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है। महिला सिपाही ने आरोप लगाया कि रात में वह सीसीटीवी कक्ष में ड्यूटी पर थी। रात में लगभग दो बजे सिपाही अमित कुमार क्वार्टर गार्ड ड्यूटी समाप्त करके उसके कक्ष में चला आया और उससे बद्तमीजी करने लगा। महिला सिपाही के शोर करने पर आरोपी सिपाही वहां से भाग गया। इस संबंध में कोतवाल विजय बहादुर सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच जा रही है। वहीं आरोपी सिपाही को निलंबित कर दिया गया है।

किशोरी से छेड़खानी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। लालगंज पुलिस ने किशोरी से छेड़खानी के आरोपी गांव के ही नेबूलाल पर प्राथमिकी दर्ज की है। थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली पीड़िता के पिता ने पुलिस को तहरीर देकर कहा कि 16 मार्च को रात करीब आठ बजे बजे गांव में ही अपने दूसरे घर पर खाना खाने जा रही थी। रास्ते में अकेला पाकर आरोपी बेटी से छेड़खानी करने लगा।

गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई) के मध्य प्रतिदिन ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन

गोरखपुर : रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु 01079/01080 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई)-गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई) ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से 01 से 30 अप्रैल, 2026 तक तथा गोरखपुर से 02 अप्रैल से 01 मई, 2026 तक प्रतिदिन 30 फेरों के लिए निम्नवत किया जायेगा। 01079 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई)-गोरखपुर विशेष गाड़ी 01 से 30 अप्रैल, 2026 तक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई) से प्रतिदिन 22.30 बजे प्रस्थान कर दादर से 22.47 बजे, थाणे से 23.20 बजे, कल्याण से 23.50 बजे, दूसरे दिन नासिक रोड से 02.25 बजे, मनमाड से 03.20 बजे, जलगांव से 05.23 बजे, भुसावल से 06.00 बजे, खण्डवा से 09.15 बजे, इटारसी से 13.15 बजे, भोपाल से 16.00 बजे, बीना से 18.20 बजे, वीरागंना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) से 22.00 बजे, ऊरई से 23.32 बजे, तीसरे दिन कानपुर सेण्ट्रल से 02.20 बजे, लखनऊ से 04.15 बजे, गोण्डा से 06.35 बजे, बस्ती से 07.55 बजे तथा खलीलाबाद से 08.30 बजे छूटकर गोरखपुर 10.00 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई) विशेष गाड़ी 02 अप्रैल से 01 मई, 2026 तक गोरखपुर से प्रतिदिन 14.30 बजे प्रस्थान कर खलीलाबाद से 15.05 बजे, बस्ती से 15.45 बजे, गोण्डा से 17.00 बजे, लखनऊ से 19.55 बजे, कानपुर सेण्ट्रल से 22.25 बजे, दूसरे दिन ऊरई से 00.07 बजे, वीरागंना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) से 02.15 बजे, बीना से 06.15 बजे, भोपाल से 08.35 बजे, इटारसी से 10.40 बजे, खण्डवा से 13.45 बजे, भुसावल से 15.25 बजे, जलगांव से 15.53 बजे, मनमाड से 18.00 बजे, नासिक रोड से 19.03 बजे, कल्याण से 23.40 बजे, थाणे से 23.58 बजे तथा तीसरे दिन दादर से 00.20 बजे छूटकर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई) 00.40 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 09, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

शयनयान श्रेणी के 08 कोचों सहित कुल 17 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुरः रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 05647 गुवाहाटी-दिल्ली विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन गुवाहाटी से 21 मार्च, 2026 को एकल यात्रा हेतु निम्नवत किया जायेगा। 05647 गुवाहाटी-दिल्ली विशेष गाड़ी 21 मार्च, 2026 को गुवाहाटी से 06.20 बजे प्रस्थान कर कामाख्या से 06.42 बजे, रंगिया से 08.05 बजे, बारपेटा रोड से 10.02 बजे, न्यु बंगाईगांव से 13.00 बजे, कोकराझार से 13.42 बजे, न्यु कोचबिहार से 15.10 बजे, न्यु जलपाईगुड़ी से 17.45 बजे, अलुआबाड़ी रोड से 18.39 बजे, किशनगंज से 19.00 बजे, बारसोई से 20.02 बजे, कटिहार से 21.30 बजे, नवगछिया से 22.25 बजे, खगड़िया से 23.45 बजे, दूसरे दिन बेगूसराय से 00.02 बजे, बरौनी से 01.20 बजे, शाहपुर पटोरी से 02.42 बजे, हाजीपुर से 03.40 बजे, छपरा से 05.25 बजे, सीवान से 06.07 बजे, देवरिया सदर से 07.05 बजे, गोरखपुर से 09.40 बजे, बस्ती से 10.50 बजे, गोंडा से 12.15 बजे, सीतापुर जं. से 15.45 बजे, शाहजहांपुर से 17.22 बजे, बरेली जं. से 18.34 बजे, मुरादाबाद से 21.30 बजे, हापुर से 23.22 बजे तथा तीसरे दिन गाजियाबाद से 00.27 बजे छूटकर दिल्ली 01.30 बजे पहुँचेगी।

इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज तक पहुंचा अमेरिकन ओजी गांजा, सामान्य से 10 गुना अधिक है नशीला

कानपुर। कानपुर के शिक्षण संस्थानों में 10 गुना अधिक नशीला अमेरिकन ओजी गांजा सप्लाई होने का खुलासा हुआ है। 3000 प्रति 10 ग्राम बिकने वाले इस नशे के खिलाफ पुलिस ने ऑपरेशन व्हाइट पाउडर तेज

कर दिया है। दिल्ली, एनसीआर, मुंबई, गोवा के बाद शहर में अमेरिकन ऑरिजनल गैंगस्टर (ओजी) गांजा आ गया है। यह शहर के प्रमुख इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज तक पहुंच गया है। यह प्रीमियम क्वालिटी का है और सामान्य गांजे से दस गुना अधिक नशीला होता है। केवल 10 ग्राम पुड़िया की कीमत तीन हजार रुपये से अधिक है। यह जानकारी तीन दिन पहले गिरफ्तार कर जेल भेजे गए आरोपी से पूछताछ में हुई है। उसके पास से 114 ग्राम अमेरिकन ऑरिजनल गैंगस्टर और 1.008 किलो सामान्य गांजा मिला था। एडीसीपी ऑपरेशन सुमित सुधाकर रामटेके ने बताया कि ऑपरेशन व्हाइट पाउडर के अंतर्गत पुलिस शहर में नशे के खिलाफ अभियान चला रही है। 17 मार्च को कल्याणपुर क्षेत्र में पनकी नहर के पास से नवाबगंज के पिंकू वर्मा को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। उसके पास अमेरिकन ओजी गांजा और सामान्य गांजा मिला था। आरोपी इस गांजे को शिक्षण संस्थानों के छात्रों को बेचता था। 17 मार्च को आईपीएस सुमेध मिलिंद जाधव और सर्विलांस टीम ने आरोपी को दबोचा था। गुरुग्राम से लाया था माल एडीसीपी ऑपरेशन के मुताबिक अमेरिकन ऑरिजनल गैंगस्टर गांजे का नशा बैंकॉक, चीन और कई यूरोपीय देशों में किया जाता है। कई बार तस्करी करने वाल चोरी छिपे नेपाल, बांग्लादेश और अन्य देशों से ले आते हैं। इन एशियाई देशों से गांजा देश में आ जाता है। इसकी छोटी छोटी पुड़िया बनाई जाती है। यह कंसंट्रेटेड फार्म में रहता है। टीएचसी की मात्रा दस गुना ज्यादा पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सामान्य गांजे में टेट्राहाइड्रोकैनाबिनोल (टीएचसी) की मात्रा केवल तीन प्रतिशत होती है जबकि अमेरिकन ऑरिजन गैंगस्टर में 30 फीसदी रहती है। इसके उपयोग से दिमाग की तंत्रिका तुरंत प्रभावी होती है। यह खुशी, आनंद और दिमाग को सक्रिय करती है। छात्र अधिकतर इसका उपयोग सक्रियता के लिए करते हैं लेकिन इसके दूरगामी परिणाम खतरनाक होते हैं। गुस्सा, नाराजगी, जान देने का करता मन जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के मनोरोज विभागाध्यक्ष प्रो. धनंजय चौधरी ने बताया कि शुरूआत में गांजा और अन्य सूखा नशा करने वालों को बेहतर महसूस होता है लेकिन इसके परिणाम काफी भयानक होते हैं। इसकी वजह से गुस्सा, नाराजगी और जान देने का मन करता है। खुशी का अहसास कराने वाले हार्मोन डोपामिन का स्तर बढ़ता है। अच्छा लगने की वजह से लोगों को एकाग्र होने जैसा महसूस होता है। शरीर में ताकत बढ़ने का अहसास होता है। नियमित सेवन न होने पर अवसाद बढ़ता है। लत लग जाती है। नशा नहीं करने पर नाराजगी और आत्महत्या करने का मन करता है। मन एकाग्र नहीं होता है।

गोरखपुर-पुणे के मध्य प्रतिदिन ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु 01415/01416 पुणे-गोरखपुर-हडपसर ग्रीष्मकालीन विशेष गाडी का संचलन पुणे से 01 से 30 अप्रैल, 2026 तक तथा गोरखपुर से 02 अप्रैल से 01 मई, 2026 तक प्रतिदिन, 30 फेरों के लिए निम्नवत किया जायेगा। 01415 पुणे-गोरखपुर विशेष गाडी 01 से 30 अप्रैल, 2026 तक प्रतिदिन पुणे से 06.50 बजे प्रस्थान कर दौंड से 08.12 बजे, अहिल्यानगर से 09.32 बजे, कोपरगांव से 11.30 बजे, मनमाड से 13.15 बजे, भुसावल से 16.00 बजे, खण्डवा से 18.10 बजे, इटारसी से 21.20 बजे, रानी कमलापति से 23.25 बजे, दूसरे दिन बीना से 01.30 बजे, वीरागंना लक्ष्मी बाई जं. (झांसी) से 04.10 बजे, उरई से 06.12 बजे, कानपुर सेण्ट्रल से 08.40 बजे, लखनऊ से 10.05 बजे, गोण्डा से 12.30 बजे तथा बस्ती से 14.00 बजे छूटकर गोरखपुर 16.00 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 01416 गोरखपुर-हडपसर विशेष गाडी 02 अप्रैल से 01 मई, 2026 तक प्रतिदिन गोरखपुर से 17.30 बजे प्रस्थान कर बस्ती से 19.15 बजे, गोण्डा से 20.30 बजे, लखनऊ से 22.35 बजे, दूसरे दिन कानपुर सेण्ट्रल से 00.25 बजे, उरई से 02.00 बजे, वीरागंना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) से 04.10 बजे, बीना से 08.05 बजे, रानी कमलापति से 10.40 बजे, इटारसी से 12.20 बजे, खण्डवा से 15.08 बजे, भुसावल से 17.05 बजे, मनमाड से 20.15 बजे, कोपरगांव से 20.52 बजे, अहिल्यानगर से 23.12 बजे तथा तीसरे दिन दौंड से 02.00 बजे छूटकर हडपसर 03.15 बजे पहुंचेगी। इस गाडी में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 06, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 05 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

संक्षिप्त खबरें

कम करेंगे उच्च जोखिम प्रसूताओं की संख्या ट्रेनिंग में देंगे टिप्स

बस्ती। मां एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए उच्च जोखिम गर्भावस्था (एचआरपी) की समय से पहचान और प्रबंधन के लिए एएनएम और स्टाफ नर्स को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें महिला चिकित्साधिकारी भी शामिल होंगी। इसका उद्देश्य उच्च जोखिम श्रेणी में चयनित महिलाओं की संख्या कम करना है। सीएमओ डॉ. राजीव निगम ने कहा कि एचआरपी वाली गर्भवती की शीघ्र पहचान कर उसका उचित प्रबंधन करने पर जोर है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य मां मृत्यु दर को शून्य के करीब लाना है। उन्होंने बताया कि गर्भावस्था के दौरान जोखिम कारकों की समय से पहचान कर प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके लिए जमीनी स्तर के स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि पहली एएनसी जांच के दौरान ही सामान्य और उच्च जोखिम गर्भवती की पहचान हो सके। उन्होंने बताया कि समय से पहचान होने पर गर्भवती महिलाओं को उच्च स्तरीय चिकित्सा केंद्रों पर रेफर कर सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया जा सकता है। मजबूत रेफरल प्रणाली और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों के जरिए हाई रिस्क मामलों की निगरानी कर समय पर हस्तक्षेप किया जाएगा। प्रशिक्षण में एनीमिया, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और पूर्व में हुए जटिल प्रसव जैसी स्थितियों को एचआरपी श्रेणी में शामिल कर इनके विशेष प्रबंधन पर जोर दिया जाएगा। जिला मातृ स्वास्थ्य परामर्शदाता राजकुमार का कहना है।

मारपीट मामले में दूसरे पक्ष के सात पर प्राथमिकी

कप्तानगंज (बस्ती)। थाना क्षेत्र के महराजगंज कस्बे में रास्ते के विवाद में नया मोड़ आ गया है। एसपी के निर्देश पर कप्तानगंज पुलिस ने दूसरे पक्ष की चार महिलाओं समेत सात लोगों पर बृहस्पतिवार को प्राथमिकी दर्ज कर ली है। थाना क्षेत्र के महराजगंज कस्बे में रास्ते के विवाद में गिरिजा शंकर अग्रहरि और संदीप साहू के बीच में बुधवार की सुबह मारपीट हो गई थी। दोनों पक्ष के तीन लोगों को चोटें आई थीं। पुलिस ने संदीप साहू की तहरीर पर गिरजाशंकर अग्रहरि और उनके दो बेटों धमेंद्र अग्रहरि और आशीष अग्रहरि पर बुधवार को ही प्राथमिकी दर्ज कर ली थी। उधर, एसपी डॉ. यशवीर सिंह के निर्देश पर पुलिस ने दूसरे पक्ष के तेलियाडीह निवासी गिरजा शंकर अग्रहरि की तहरीर पर मनीष कुमार, प्रदीप कुमार, संदीप कुमार, सरिता देवी, रंजीता देवी, पूजा देवी और संपदी की मां पर गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। कप्तानगंज पुलिस ने मामले में एक पक्ष के गिरजाशंकर अग्रहरि और दूसरे संदीप साहू पक्ष के सरिता देवी पत्नी मनीष कुमार, रंजीता देवी पत्नी प्रदीप कुमार, पूजा पत्नी संदीप साहू को शांति भंग में पाबंद करते हुए बुधवार की शाम को एसडीएम हरैर्या के न्यायालय में भेज दिया था। एसओ आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों पक्षों पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की तफ्तीश की जा रही है।

जहर खाने से किशोरी की मौत

पैकोलिया। थाना क्षेत्र के कुनगाई खुर्द गांव में 17 वर्षीय किशोरी की जहर खाने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी जगदेव की पुत्री गौरी बुधवार की रात जहर खा लिया। जब घर वालों को इसकी जानकारी हुई तो उसे आनन-फानन सीएचसी हरैर्या ले गए। डॉक्टर ने गंभीर स्थिति देख जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी स्थिति और खराब होने पर कप्तानगंज सीएचसी पर इलाज के लिए ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन शव को घर ले आए और पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए। प्रभारी निरीक्षक कृष्ण कुमार साहू ने बताया है कि किशोरी के जहर खाने के पीछे के कारणों की जांच की जा रही है।

गुमटियों में आग लगाने के तीन आरोपी गिरफ्तार

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के बाजार में मंगलवार की रात तीन गुमटियों में आग लगाने के तीन आरोपियों को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि नशे में दबंगों ने पहले उपद्रव किया। इसके बाद तीन गुमटियों में आग लगा दी थी। गिरफ्तार आरोपियों में थाना क्षेत्र के गांव लालगंज निवासी किशन यादव उर्फ संदीप यादव, बरतनिया निवासी अमन उपाध्याय उर्फ अवनीश कुमार और सदर कोतवाली क्षेत्र के जामडीह पांडेय निवासी सोहन लाल शामिल है। थानेदार विनय कुमार पाठक अनुसार, गिरफ्तार किशन यादव उर्फ संदीप यादव का आपराधिक इतिहास है। लालगंज थाने में उसके खिलाफ छह प्राथमिकी दर्ज है। इसके अलावा अमन उपाध्याय उर्फ अवनीश कुमार और सोहन लाल पर एक-एक प्राथमिकी दर्ज है। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से सभी जेल भेज दिए गए। बता दें कि मंगलवार की रात करीब तीन बजे दबंगों ने तीन गुमटियों को फूंक दी। इससे गुमटी सहित उसमें रखा सारा सामान जलकर राख हो गया था। गुमटियां जलाने से दुकानदारों में आक्रोश पनप गया था। उनका आरोप है कि होलिका दहन के दिन जलाई गईं तीन गुमटियों के आरोपी की गिरफ्तारी के उनके साथियों ने आग लगाने की घटना को अंजाम दिया है। उधर नाराज दुकानदारों ने आधे घंटे तक कुदरहा-लालगंज मार्ग को जाम कर दिया था।

देवी मंदिरों के लिए बस सेवा शुरू

बस्ती। चैत्र नवरात्रि पर बलरामपुर के तुलसीपुर स्थित देवीपाटन शक्तिपीठ तक रोडवेज बस सेवा बृहस्पतिवार से शुरू हो गई है। यह सेवा नवरात्रि तक जारी रहेगी। बस्ती समेत आसपास के श्रद्धालु बस के जरिये देवी मंदिर तक पहुंच सकेंगे। वहां से दर्शन-पूजन कर उसी बस से लौट भी सकते हैं। इसके लिए रोडवेज ने चार बसों को आरक्षित किया है। एआरएम रोडवेज बस्ती डिपो आयुष भटनागर ने बताया कि सुबह से बसें संचालित हो रही हैं। सवारी के अनुसार बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

लापरवाही में दो शिक्षक निलंबित किए गए

बस्ती। बीएसए अनूप कुमार तिवारी ने बृहस्पतिवार को लापरवाही पर दो परिषदीय शिक्षकों को निलंबित कर दिया है। बहादुरपुर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय पकड़ी मिश्राइन में तैनात प्रधानाध्यापक जीवन सुधा तिवारी और सदर ब्लॉक के डिड़ौहा कंपोजिट विद्यालय में तैनात प्रभारी प्रधानाध्यापक अशोक कुमार राव के खिलाफ जांच के निर्देश भी दिए गए हैं। बीएसए ने बताया कि पिछले 12 मार्च को सीडीओ ने पकड़ी मिश्राइन प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया था। उस समय विद्यालय परिसर में कोई गेट नहीं मिला। शैक्षिक गतिविधि भी संचालित होते हुए नहीं पाई गई। रजिस्टर में विद्यार्थियों की उपस्थिति नहीं दर्ज की गई थी। शिक्षक उपस्थिति के भी कॉलम पूर्ण नहीं पाए गए थे। सीडीओ ने प्रधानाध्यापक को दोषी ठहराते हुए निलंबन का निर्देश दिया था। इसके बाद बीएसए ने संबंधित प्रधानाध्यापक को निलंबित कर पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय कोठवा भरतपुर से संबद्ध कर दिया है। जांच के लिए बीईओ धीरेंद्र त्रिपाठी को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं 11 मार्च को बीएसए ने बस्ती सदर ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय डिड़ौहा का निरीक्षण किया था। विद्यालय में कुल 11 शिक्षक/कार्मिक की जगह 9 मौजूद मिले थे।

रानी अवंती बाई लोधी को सीएम योगी सहित कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीरांगना अवंती बाई लोधी के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शुक्रवार को कहा कि उनका अद्वितीय साहस, नेतृत्व और सर्वोच्च बलिदान भारतीय इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना, राष्ट्र-स्वाभिमान की अमर प्रतीक रानी अवंती बाई लोधी के बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि। मुख्यमंत्री ने कहा, मातृभूमि की रक्षा हेतु उनका अद्वितीय साहस, नेतृत्व और सर्वोच्च बलिदान भारतीय इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। उनका जीवन नारी शक्ति और राष्ट्रभक्ति का प्रेरक उदाहरण है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 1857 की क्रांति में अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाली महान वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी के बलिदान दिवस पर कोटि-कोटि नमन। उन्होंने कहा, उनके अद्वितीय साहस, निडर संघर्ष और असाधारण बलिदान को देश सदैव याद रखेगा।

ग्रीन वुड स्कूल में कैंसर स्क्रीनिंग शिविर, महिलाओं ने कराई जांच

ग्वालियर। महिलाओं के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रोटरी क्लब जागृति द्वारा ग्रीन वुड स्कूल में कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के सहयोग से कैंसर स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष डॉ. प्रामिंदर कौर, डॉ. रंजना खरे, अर्चना श्रीवास्तव, किरण भदौरिया एवं स्कूल टीम की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर डॉ. गुंजन श्रीवास्तव ने कैंसर के कारणों और बचाव के उपायों की जानकारी दी। वहीं डॉ. मोनिका देवान ने महिलाओं में होने वाले कैंसर, विशेषकर एचपीवी संक्रमण से जुड़े सर्वाइकल कैंसर पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए पैप स्मीयर, मैमोग्राफी और टीकाकरण के लिए प्रेरित किया। शिविर में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मोबाइल मैमोग्राफी वैन में जांच कराई। करीब 30 मैमोग्राफी और 30 पैप स्मीयर जांचें की गईं। कार्यक्रम में डॉ. मीरा श्रीवास्तव सहित चिकित्सा दल की सक्रिय भूमिका रही।

कायस्थ समाज ने दिखाई एकजुटता प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

ग्वालियर। आल इंडिया कायस्थ महासभा द्वारा जीवायएमसी क्लब में आयोजित सम्मेलन एवं होली मिलन समारोह में समाज की एकता, शिक्षा और योगदान पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक डॉ. सतीश सिंह सिकरवार एवं विशिष्ट अतिथि महापौर शोभा सिकरवार रहीं। स्वागत भाषण देवेंद्र श्रीवास्तव ने दिया। मुख्य अतिथि डॉ. सतीश सिंह सिकरवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि कायस्थ समाज को संगठित रहना चाहिए, क्योंकि संगठन में ही शक्ति निहित है। उन्होंने कहा कि यह समाज सदैव शिक्षित और बुद्धिजीवी रहा है तथा कायस्थ विभूतियों ने देश का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान बढ़ाया है। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ नागरिकों, चिकित्सकों, शिक्षाविदों, समाजसेवियों और पत्रकारों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त न्यायाधीश राकेश सक्सेना, डॉ. बीआर श्रीवास्तव, अलका श्रीवास्तव, डॉ. सुधीर सक्सेना, शिशिर श्रीवास्तव उपस्थित रहे। अध्यक्षता अजय जौहरी ने की। संचालन अनूप श्रीवास्तव एवं आभार योगेश भटनागर ने व्यक्त किया।

गोविंद मेहरोत्रा बने जिला योग प्रभारी

ग्वालियर। मध्यप्रदेश शासन के योग आयोग, भोपाल द्वारा गोविंद मेहरोत्रा को जिला योग प्रभारी ग्वालियर नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति के बाद उन्होंने कहा कि योग और खेल के समन्वय से जनमानस को स्वस्थ बनाते हुए सशक्त राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया जाएगा। श्री मेहरोत्रा को नई जिम्मेदारी मिलने पर क्रीड़ा भारती के प्रदेश अध्यक्ष दीपक सचेती, जिला शिक्षा अधिकारी हरिओम चतुर्वेदी, पूर्व जिला योगप्रभारी दिनेश चाकणकर, सहायक संचालक पुष्पा ढोडी, एडीपीसी सर्वेश दीक्षित, योजना अधिकारी राजेश श्रीवास्तव, लेखा अधिकारी अपर्णा कुशवाह, क्रीड़ा भारती के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दिनेश सिंह कुशवाह, डॉ. केशव सिंह आदि ने बधाई दी।

संपत्तिकर जमा नहीं करने पर दो संपत्तियां सील

ग्वालियर। नगर निगम के संपत्तिकर वसूली अमले ने ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में संपत्तिकर जमा नहीं करने पर दो संपत्तियों को सील करने की कार्रवाई की। उपायुक्त रजनीश गुप्ता के नेतृत्व में आरआई महेश पाराशर, टीसी मनीष पाराशर, सतेंद्र सिंह आदि ने रायरू स्थित दिनेश पेठे के कारखाने की संपत्ति के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर कारखाने को सील किया। इसके बाद संपत्ति स्वामी ने तुरंत दस्तावेज उपलब्ध कराए, साथ ही दो लाख रुपए का चेक भी जमा किया गया। वहीं एबी रोड स्थित शिक्षा प्रसार समिति के यहां कार्रवाई के दौरान तत्काल ढाई लाख रुपए की राशि का चेक दिया गया। इसके अलावा ग्राम बेहटा हाइवे के पास अवैध कॉलोनी पर कार्रवाही की गई। कार्रवाई के दौरान चार लाख रुपए जमा कराकर रसीद जारी की गई।

ज्योतिषियों ने बताए वर्ष के ग्रह-गोचर के संकेत

ग्वालियर। इंडियन काउंसिल ऑफ एस्ट्रोलॉजिकल साइंसेज, चैप्टर ग्वालियर एवं जय गणपति ज्योतिष जनकल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को सिटी सेंटर स्थित श्री महाबली हनुमान मंदिर में नवसंवत्सर महोत्सव एवं पंचांग पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधिवत पंचांग पूजन कर सभी देवताओं का आवाहन किया गया। इसके पश्चात ज्योतिषाचार्यों ने वर्षभर के ग्रह-गोचर, राजा-मंत्री ग्रहों की स्थिति तथा देश-विदेश में संभावित घटनाओं पर विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने वर्ष में संभावित ग्रहण, वर्षा की स्थिति, महंगाई, कृषि उत्पादन एवं जनजीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का भी विश्लेषण किया। इससे पूर्व आयोजन को लेकर समिति की बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रमेन्द्र चतुर्वेदी, सचिव किशोर चतुर्वेदी, कोषाध्यक्ष आरती शर्मा सहित सदस्य लक्ष्मीकांत चतुर्वेदी, रुपाली उपाध्याय, दुर्गेश शर्मा, बिन्नी भट्ट, संजय बिंदल, ऋषभ मिश्रा, आकृति गर्ग, कुणाल शर्मा, चेतन गुप्ता, शकुंतला गुप्ता, अर्चना गुप्ता, सुनील गौड़, जितेंद्र भार्गव, नीरज शर्मा, प्रदीप धवन एवं धर्मेंद्र भारद्वाज सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य ज्योतिष के प्रति जिज्ञासा रखने वाले लोगों को ज्ञानवर्धन का अवसर प्रदान करना है।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस में हथियार चोरी से हड़कंप, तीन जिलों की जीआरपी अलर्ट

ग्वालियर, दतिया और झांसी स्टेशनों के सीसीटीवी खंगाले

■ ग्वालियर

चलती ट्रेन में हथियार चोरी की सनसनीखेज वारदात ने रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बुंदेलखंड एक्सप्रेस में सफर कर रहे एक निजी सुरक्षाकर्मी की डबल बैरल बंदूक, 25 कारतूस और नकदी-जेवर से भरा बैग चोरी हो गया। घटना के बाद ग्वालियर सहित दतिया और झांसी की जीआरपी टीमें सक्रिय हो गई हैं, लेकिन अब तक चोरों का कोई सुराग नहीं मिल सका है।

मामला ट्रेन बुंदेलखंड एक्सप्रेस का है। नैनी प्रयागराज निवासी निजी सुरक्षाकर्मी श्रीकांत पांडेय अपनी पत्नी के साथ स्लीपर कोच एस-6 में बर्थ नंबर 33 और 34 पर सफर कर रहे थे। बुधवार रात खाना खाने के बाद उन्होंने अपनी बंदूक और बैग बर्थ के नीचे रख दिया और दोनों सो गए।

सुबह जब ट्रेन दतिया स्टेशन पहुंची, तो उनकी नींद खुली। नीचे देखा तो बंदूक और बैग गायब थे। बैग में 25 कारतूस के अलावा जेवर और नकदी भी रखी हुई थी। अचानक हुई इस चोरी से वह घबरा गए और तत्काल इसकी सूचना दी।

ट्रेन के ग्वालियर पहुंचने पर पीड़ित ने जीआरपी ब्रॉडगेज थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। ग्वालियर जीआरपी ने दतिया और झांसी जीआरपी को पत्र भेजकर संयुक्त जांच में सहयोग मांगा है।

घटना के बाद तीनों स्टेशनों झांसी, दतिया और ग्वालियर पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। खासतौर पर उन समयों की रिकॉर्डिंग देखी गई, जब ट्रेन इन स्टेशनों पर पहुंची थी। इसके बावजूद अब तक किसी संदिग्ध व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती बिना ठोस सुराग के चोरों तक पहुंचना है। फिलहाल तकनीकी साक्ष्यों और संभावित संदिग्धों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

बेटिकट यात्रियों से वसूला जुर्माना

ग्वालियर। उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल में टिकट जांच अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा के नेतृत्व में डबरा रेलवे स्टेशन पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान टिकट जांच दल द्वारा कुल 151 यात्रियों को अनियमित यात्रा करते हुए पकड़ा गया। पकड़े गए यात्रियों से रेलवे नियमों के अनुसार कुल 84570 रुपए का जुर्माना वसूला गया। इस कार्रवाई से न केवल राजस्व में वृद्धि हुई, बल्कि यात्रियों को वैध टिकट लेकर यात्रा करने के लिए भी जागरूक किया गया। इस चेकिंग अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में चेकिंग स्टाफ विकास श्रीवास्तव, अजेंद्र कुमार, मनोज कावट, रामकेश मीणा, रामनिवास मीना, रोहित कुशवाहा, अभिषेक भटनागर, वैभव महेश्वरी, हरजीत सिंह, दीपक नामदेव, मनीष अग्रवाल एवं रविंद्र जाटव का योगदान रहा।

डॉ. पिंकू रंजन को विश्वेश्वरैया यंग फैकल्टी रिसर्च फेलोशिप

■ ग्वालियर

अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान (एबीवी-ट्रिपलआईटीएम) के विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. पिंकू रंजन का चयन प्रतिष्ठित विश्वेश्वरैया यंग फैकल्टी रिसर्च फेलोशिप 2026 के लिए हुआ है। यह फेलोशिप इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना के अंतर्गत प्रदान की जाती है। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धी फेलोशिप के अंतर्गत चयनित शिक्षकों को पांच वर्षों तक प्रतिमाह 20 हजार रुपए मानदेय तथा प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का शोध अनुदान दिया जाता है। डॉ. रंजन का चयन उन्नत संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए हुआ है। उनके शोध में डाइलेक्ट्रिक रेजोनेटर एंटीना, एमआईएमओ, 5जी प्रणाली, मेटामटेरियल, वेयरेबल एंटीना और मशीन लर्निंग आधारित तकनीकें शामिल हैं। डॉ. रंजन वर्ष 2019 से संस्थान में कार्यरत हैं और उनके पास 15 वर्ष से अधिक का अनुभव है। उन्होंने 150 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और कई शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया है। उन्हें पूर्व में अटल बिहारी वाजपेयी शोध उत्कृष्टता पुरस्कार 2024 और यंग फैकल्टी पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय संस्थान के निदेशक प्रो. एस. एन. सिंह को दिया है।

चेतकपुरी चौराहे पर पुलिस ने जेसीबी जब्त की, 15 मिनट में छोड़ी

ग्वालियर। चेतकपुरी चौराहे पर पानी की फूटी लाइन सुधारने के दौरान बुधवार को उस समय विवाद की स्थिति बन गई, जब झांसी रोड थाना पुलिस ने खुदाई कर रही जेसीबी मशीन को जब्त कर लिया। हालांकि करीब 15 मिनट बाद मशीन को छोड़ दिया गया और काम दोबारा शुरू हुआ। जानकारी के मुताबिक, क्षेत्र में 50 साल पुरानी 6 इंची प्रेशर लाइन दो दिन पहले फूट गई थी, जिसे ठीक करने के लिए पीएचई विभाग ने ट्रैफिक सेल से अनुमति लेकर खुदाई शुरू की थी। बावजूद इसके पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई कर दी। दरअसल, स्मार्ट सिटी के इंटेलीजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के तहत चौराहों पर बिछी केबलें खुदाई के दौरान बार-बार कट रही हैं, जिससे सिग्नल सिस्टम ठप हो जाता है। इसी वजह से चौराहों पर खुदाई से पहले अनुमति अनिवार्य की गई है। हाल के दिनों में कई बार खुदाई के चलते ट्रैफिक सिग्नल बंद होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अधिकारियों का कहना है कि बिना समन्वय के की गई खुदाई से यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है, इसलिए सख्ती बरती जा रही है।

पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने मनाया नवसंवत्सर

ग्वालियर। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद द्वारा नव वर्ष संवत 2083 चैत्र प्रतिपदा के अवसर पर गुरुवार को पिंटो पार्क टंकी चौराहे पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें पूर्व सैनिकों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। इसके बाद दीप प्रज्वलित कर नव संवत्सर का स्वागत किया गया। इस दौरान उपस्थित पूर्व सैनिकों ने देशभक्ति के भाव के साथ राष्ट्र के प्रति समर्पण और एकता का संदेश दिया।

जन सरोकार संघ ने बांटे फल

ग्वालियर। जन सरोकार संघ ने हिन्दू नववर्ष, चैत्र नवरात्रि के अवसर पर गुरुवार को 1000 बिस्तर अस्पताल में मरीजों एवं उनके परिजनों को फल वितरित किए। इस अवसर पर जन सरोकार संघ के अध्यक्ष शुभम चौधरी, कोषाध्यक्ष अंकित कुलश्रेष्ठ, प्रद्युम्न जैन, अजय जैन, अभिलाष गुप्ता, राजीव जैन, हेमंत राजपूत, सतीश जैन, अजीत भदौरिया, उज्जवल अग्रवाल, रूपेश जैन, रामकुमार चौरसिया, शंकर चौरसिया, मोहनलाल सोनी, पंकज राजपूत, मनीष चौरसिया, रॉकी राजपूत आदि उपस्थित रहे।

टिकट विंडो पर अंधेरा, बरौनी मेल के समय ने भी किया भ्रमित

ग्वालियर। रेलवे की तकनीकी खामियों और लचर व्यवस्थाओं के चलते गुरुवार को यात्रियों को खासी परेशानी झेलनी पड़ी। सुबह 10:30 से 11:30 बजे तक प्लेटफार्म नंबर-1 की जनरल टिकट विंडो पर बिजली नहीं होने से टिकट वितरण पूरी तरह ठप रहा, जिससे यात्रियों की लंबी कतारें लग गईं। इस दौरान पंजाब मेल, कैलारस मेमू और बरौनी मेल जैसी ट्रेनों के यात्री टिकट के लिए भटकते रहे। करीब एक घंटे तक टिकट नहीं मिलने से कई यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यात्रियों का कहना है कि स्टेशन पर लंबे समय से बिजली की समस्या बनी हुई है, लेकिन शिकायतों के बावजूद कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। वहीं बरौनी मेल के समय को लेकर भी यात्रियों में भ्रम की स्थिति बनी रही। पहले जारी सूचना के अनुसार ट्रेन दो घंटे देरी से आने वाली थी, लेकिन गुरुवार को यह अपने निर्धारित समय पर 12:05 बजे रवाना हो गई। अचानक हुए इस बदलाव के कारण कई यात्री ट्रेन नहीं पकड़ सके। रेलवे की इस लापरवाही ने एक बार फिर व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

टैक्स बार के नए बार रूम का उद्घाटन जीएसटी कानून पर कार्यशाला आयोजित

■ ग्वालियर

टैक्स बार एसोसिएशन ग्वालियर द्वारा गुरुवार को नए बार रूम उद्घाटन के साथ 'जीएसटी कानून पर न्यायिक निर्णयों का प्रभाव' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कर कानून से जुड़े विशेषज्ञों और अधिवक्ताओं ने भाग लेकर समसामयिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला के मुख्य वक्ता के रूप में इंदौर के वरिष्ठ कर सलाहकार एवं जीएसटी विशेषज्ञ अमित दवे, मुख्य अतिथि के रूप में एमपी टैक्स लॉ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अश्विन लखोटिया एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य कर विभाग ग्वालियर के संयुक्त आयुक्त अतुल श्रीवास्तव रहे। अध्यक्षता अनिल दुबे ने की। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता ने कहा कि जीएसटी कानून की जटिलताओं को समझने के लिए न केवल वर्तमान कानून बल्कि पूर्ववर्ती कर कानूनों और उच्चतम न्यायालय के निर्णयों का गहन अध्ययन आवश्यक है। साथ ही उन्होंने दस्तावेजों के सुरक्षित रख-रखाव और न्यायिक सिद्धांतों के पालन पर विशेष जोर दिया। मुख्य अतिथि ने हाल ही में गठित जीएसटी ट्रिब्यूनल में अपील केवल अंग्रेजी में दाखिल करने के प्रावधान पर चिंता जताते हुए इसे हिंदी में भी लागू करने की मांग उठाई। इस मौके पर शरद बाकलीवाल, रामनिवास शर्मा, पंकज गोयल, विद्या भूषण त्यागी, जेसी गोयल, नितिन अग्रवाल, राजेंद्र शर्मा, मनोज दुबे, सूर्यकांत मिश्रा आदि उपस्थित रहे। संचालन अमित बंसल और आभार संदीप गुप्ता ने व्यक्त किया।

विक्रमादित्य पर आधारित नाटक ने बांधा समां

■ ग्वालियर

भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, विक्रम नव संवत्सर-2083 के शुभारंभ पर गुरुवार को बाल भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संत कृपाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में पर्व-त्योहार खगोलीय और धार्मिक आधार पर निर्धारित होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिपदा वर्ष की पहली मंगल तिथि होती है, जिसे गुड़ी-पड़वा, चैती चांद और वर्ष प्रतिपदा के रूप में मनाया जाता है।

वहीं पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि हिंदू नववर्ष की शुरुआत गुड़ी पड़वा से होती है और इस दिन सूर्य को अर्घ्य देकर सभी की खुशहाली की कामना की जाती है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेशभर में इस आयोजन की पहल को सराहनीय बताया। नवनीत शुक्ला ने भी सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में संस्कृति विभाग द्वारा राजा विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित नाट्य मंचन किया गया। नरेन्द्र नाट्य एवं लोक कला समिति के निदेशक हिमांशु द्विवेदी के निर्देशन में कलाकारों ने प्रभावशाली प्रस्तुति दी, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

रानीघाटी मोड़ पर पलटा दो ट्रॉलियां लेकर जा रहा ट्रैक्टर, चालक घायल

भितरवार। रानीघाटी के खतरनाक मोड़ पर गुरुवार शाम एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। दो ट्रॉलियों में कंडे भरकर ले जा रहा एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क पर ही पलट गया। इस हादसे में ट्रैक्टर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया।

जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम करीब 5 बजे एक ट्रैक्टर करई-पाटई गांव की ओर से आ रहा था। ट्रैक्टर के पीछे दो ट्रॉलियां जुड़ी हुई थीं, जो कंडों से पूरी तरह भरी हुई थीं। रानीघाटी के ढलान और मोड़ पर दो ट्रॉलियों के कारण चालक संतुलन खो बैठा और ट्रैक्टर बीच सड़क पर ही पलट गया। ट्रैक्टर और ट्रॉलियों के सड़क के बीचों-बीच पलटने के कारण रानीघाटी मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और काफी देर तक जाम की स्थिति बनी रही। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से पलटे हुए ट्रैक्टर को सड़क से हटवाया, जिसके बाद आवागमन सुचारू रूप से शुरू हो सका।

लापता दो सहेलियां हरियाणा से बरामद

भितरवार। भितरवार थाना क्षेत्र से 9 मार्च को एक साथ लापता हुई दो सहेलियों को पुलिस ने तत्परता और सूझबूझ से हरियाणा से सकुशल बरामद कर सफलता हासिल की है। दोनों युवतियों को गुरुग्राम जिले के पटौदी थाना क्षेत्र स्थित रेलवे स्टेशन से बरामद किया गया। फिलहाल पुलिस दोनों से पूछताछ कर मामले के हर पहलू की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, वार्ड क्रमांक 5 की रहने वाली दो सहेलियां अचानक 9 मार्च की आधी रात को घर से लापता हो गई थीं। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन के बाद भी जब उनका कोई सुराग नहीं मिला तो उन्होंने भितरवार थाने में अपरहण,गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें एक युवती नाबालिग थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उनकी लोकेशन ट्रेस की।

इस पूरे अभियान को पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह यादव के निर्देशन में संचालित किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयराज कुबेर एवं एसडीओपी जितेंद्र नगाइच के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सुधीर सिंह कुशवाहा ने अपनी टीम के साथ विशेष कार्रवाई करते हुए मंगलवार को हरियाणा के गुरुग्राम जिले के पटौदी रेलवे स्टेशन पर दबिश दी, जहां से दोनों युवतियों को बुधवार देर रात सुरक्षित बरामद कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, दोनों युवतियों की काउंसलिंग की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में कई अहम तथ्य सामने आने की संभावना जताई जा रही है। यह भी जांच की जा रही है कि मामला केवल गुमशुदगी, अपहरण का है या इसके पीछे किसी प्रकार का प्रलोभन अथवा अन्य कारण शामिल है। इस कार्रवाई में एसएआई संतोष सिंह, प्रधान आरक्षक विनोद कुशवाह, आरक्षक परवीन जाट, महिला आरक्षक श्रीदेवी की सराहनीय भूमिका रही

जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

भितरवार। नव संवत्सर पर ग्राम पंचायत ककरधा में बहने वाली नोन नदी के तट पर ब्लॉक स्तर जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया गया।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के ब्लॉक कॉर्डिनेटर मनोज दुबे के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था जय मां बसैया समाज कल्याण फाउंडेशन के साथ ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारियों ने नदी के बहते जल में सूर्यदेव को अर्घ्य देकर नदी का पूजन कर जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नदी की आरती की गई तथा उपस्थित लोगों को नदी का महत्व बताते हुए ब्लॉक कॉर्डिनेटर मनोज दुबे ने

कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान,जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रम,(सुरक्षित जल - समृद्ध कल) का संकल्प लिया गया। श्री दुबे ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत जन अभियान परिषद के द्वारा पूरे विकास खण्ड में प्रभात फेरी, जल कलश यात्रा, भूमि सुपोषण, वृक्ष पूजन, जलस्रोत पूजन,मानस पाठ, दीपमाला, संकीर्तन, प्याऊ, जल स्रोतों की साफ सफाई, श्रमदान, दीवार लेखन, चौपाल कार्यक्रम के साथ साथ कई महत्वपूर्ण कार्यों के माध्यम से जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने वालों पर होगी कार्रवाई

भितरवार। त्योहारों को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। ईद, नवदुर्गा, हनुमान जयंती और अंबेडकर जयंती जैसे महत्वपूर्ण पर्वों के मद्देनजर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, धर्मगुरु, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता एसडीओपी जितेंद्र नगाइच ने की।

एसडीओपी जितेंद्र नगाइच ने बैठक में स्पष्ट रूप से कहा कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भड़काऊ, आपत्तिजनक या धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली पोस्ट करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया एक प्रभावशाली माध्यम बन चुका है, लेकिन इसका दुरुपयोग समाज में तनाव पैदा कर सकता है। इसलिए सभी नागरिकों को जिम्मेदारी के साथ इसका उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र में शांति, सद्भाव और भाईचारे की परंपरा को बनाए रखते हुए सभी त्योहार मिलजुलकर मनाएं। किसी भी प्रकार की अफवाह या विवादित संदेश मिलने पर तुरंत पुलिस प्रशासन को सूचना दें, न कि उसे आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद न करें और आपसी संवाद से समस्याओं का समाधान निकालें। थाना प्रभारी सुधीर सिंह कुशवाहा ने बताया कि संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष गश्त बढ़ाई जाएगी और पुलिस की मोबाइल टीमें लगातार सक्रिय रहेंगी।

बैठक में उपस्थित विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों ने भी प्रशासन को भरोसा दिलाया कि वे अपने-अपने समाज में शांति और सौहार्द का संदेश देंगे। सभी ने एक स्वर में कहा कि भितरवार क्षेत्र हमेशा से भाईचारे का प्रतीक रहा है और भविष्य में भी इस परंपरा को कायम रखा जाएगा।

विश्व शांति और लोक कल्याण के लिए धूमेश्वर धाम से महाकाल तक पदयात्रा

भितरवार। विश्व शांति एवं लोक कल्याण की भावना को लेकर धूमेश्वर धाम से महाकाल मंदिर उज्जैन तक निकाली जा रही पदयात्रा में श्रद्धालु उत्साहपूर्वक शामिल हो रहे हैं। यह पदयात्रा महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 अनिरुद्धवन महाराज के सानिध्य में निकाली जा रही है। यात्रा जैसे ही राघौगढ़ पहुंची, वहां ग्राम पंचायत खड़ौआ के सरपंच वीरु रावत ने अपने साथियों के साथ पदयात्रियों का पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। इस दौरान भक्ति और उल्लास का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर सरपंच वीरु रावत एवं उपस्थित ग्रामीणों ने महाराजश्री से आशीर्वाद प्राप्त कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। पदयात्रा में शामिल श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़ रहे हैं, जिससे मार्ग में धार्मिक माहौल बना हुआ है।

सम्पादकीय

एचडीएफसी चेयरमैन का इस्तीफा चिंताजनक

पूरी दुनिया में इस समय ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल के छेड़े गए युद्ध के कारण आर्थिक संकट कायम हो गया है। तेल और गैस की आपूर्ति में बाधा पड़ने का असर तमाम क्षेत्रों में पड़ रहा है। ये युद्ध कब और कैसे रुकेगा और जो नुकसान दुनिया को हो रहा है, उसकी भरपाई कैसे होगी, इन कठिन सवालों से बाकी देशों के साथ भारत भी जूझ रहा है। लेकिन इस बीच भारतीय अर्थव्यवस्था में एक और घबराहट भरी हलचल देखने मिली। जिसकी वजह से एक दिन में एचडीएफसी को शेयर बाजार में एक लाख करोड़ रूपए का घाटा उठाना पड़ा है। इतना बड़ा घाटा भले ही कंपनी के नाम दर्ज है, मगर इसका भुगतान आखिरकार बैंक के खाताधारकों को ही किसी न किसी तरह से करना पड़ेगा। दरअसल देश के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी के चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने बुधवार देर रात बोर्ड से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने बैंक के अंदर कुछ घटनाओं को अपने व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप न बताते हुए इस्तीफा दिया। यह महज एक शीर्ष पदाधिकारी का पद छोड़ने जैसी सामान्य घटना नहीं है। बल्कि इसमें असली सवाल नैतिकता और भरोसे का है। अतनु चक्रवर्ती ने अपने इस्तीफा पत्र में लिखा है कि, पिछले दो वर्षों में बैंक के अंदर जो कुछ घटनाएं और चलन मैंने देखा है, वे मेरे व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं हैं। यही मेरे इस फैसले का आधार है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मेरे इस्तीफे का कोई अन्य सामग्री कारण नहीं है, सिवाय ऊपर बताए गए के। उन्होंने कहा कि बीते दो सालों में बैंक के अंदर ऐसी घटनाएं हुई है, जो तौर तरीके अपनाए गए, वो उनसे सहमत नहीं हैं। उन्होंने बैंक के कॉरपोरेट गवर्नेंस पर सवाल उठाते हुए पद से इस्तीफा दे दिया। उनके इस आकस्मिक इस्तीफे और उसमें बताए कारणों ने निवेशकों का भरोसा हिला दिया, और इसका नतीजा ये रहा कि बैंक के शेयर 8 प्रतिशत तक टूट गए। स्थिति इतनी बिगड़ी की रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को तुरंत दखल देना पड़ा। आरबीआई ने साफ किया कि बैंक की वित्तीय स्थिति मजबूत है, गवर्नेंस में कोई बड़ी चिंता नहीं है। वहीं बैंक मैनेजमेंट ने तुरंत कदम उठाते हुए केकी मिस्त्री को अंतरिम पार्ट-टाइम चेयरमैन नियुक्त कर दिया है। मिस्त्री ने भी पद संभालते ही बयान जारी किया और कहा कि बैंक के अंदर किसी तरह का शक्तिसंघर्ष नहीं है। अब शुक्रवार को एचडीएफसी के शेयर संभलते हैं या नहीं, ये देखना होगा। लेकिन गुरुवार को जो गिरावट आई है, वह कोविड के बाद एचडीएफसी के स्टॉक में दूसरी बड़ी गिरावट कही जा रही है। शेयर गिरने के चलते बैंक के मार्केट कैप में एक लाख करोड़ रुपये की बड़ी गिरावट आई है। अतनु चक्रवर्ती ने इस्तीफे में ये तो बताया है कि बैंक के भीतर कुछ ऐसा चल रहा है, जो उन्हें नागवार गुजरा, लेकिन खुलकर फिलहाल उन्होंने किसी गड़बड़ी की तरफ इशारा नहीं किया है। ऐसे में आरबीआई को अब और ज्यादा सतर्क रहते हुए पूरे मामले को समझने और तह तक पहुंचने की जरूरत है। दरअसल इस इस्तीफे के बाद आरबीआई ने कहा है कि श्एचडीएफसी बैंक डोमेस्टिक सिस्टमैटिकली इंपॉर्टेंट बैंक (छ-स्ढ्ढक्क) है जिसकी वित्तीय स्थिति मजबूत है। इसका प्रोफेशनल बोर्ड है और योग्य मैनेजमेंट टीम है। हमारे पीरियोडिकल एसेसमेंट के आधार पर बैंक के संचालन या गवर्नेंस को लेकर ऑन रिकॉर्ड किसी तरह की चिंता नहीं है। बैंक के पास पर्याप्त पूंजी है और पर्याप्त लिक्विडिटी के साथ बैंक की आर्थिक स्थिति संतोषप्रद है।श आरबीआई ने यह भी कहा कि केंद्रीय बैंक आगे एचडीएफसी बैंक के बोर्ड और मैनेजमेंट से संपर्क बनाए रखेगा। लेकिन क्या इस बयान के बाद निवेशकों का भरोसा बैंक पर वापस बनेगा और क्या इस बैंक के लाखों-करोड़ों ग्राहकों के मन में उठ रही शंकाएं दूर हो जाएंगी। क्योंकि बैंकों से पैसे लूटकर देश से भागने या फिर बैंकों के खुद को दिवालिया घोषित कर ग्राहकों की जमापूंजी हड़पने की कई घटनाओं के बाद इस देश का आम आदमी खुद को दूध का जला महसूस करने लगा है। इसलिए बैंकिंग क्षेत्र में जरा सी गड़बड़ी की आशंका उसे याद दिलाती है कि अब छाछ भी फूंक-फूंक कर पीना है। शेयर बाजार में गिरावट छाछ फूंकने जैसी ही है। पाठकों की जानकारी के लिए बता दें कि 1985 बैच के गुजरात कैडर के आईएएस अधिकारी अतनु चक्रवर्ती सेवानिवृत्ति के बाद मई 2021 में एचडीएफसी बैंक बोर्ड में शामिल हुए थे। उनके कार्यकाल के दौरान ही एचडीएफसी बैंक का एचडीएफसी के साथ विलय हुआ था, जिससे यह संपत्ति के आधार पर भारत का दूसरा सबसे बड़ा बैंक बना। एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक के बीच विलय करीब 40 अरब डॉलर का है। जो कि भारतीय कॉरपोरेट इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय लेनदेन है। इस विलय के बाद एचडीएफसी बैंक दुनिया का चौथा सबसे बड़ा बैंक बन गया है। एचडीएफसी को नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाने का ही शायद परिणाम था कि उनकी नियुक्ति के तीन साल पूरे होने के बाद मई 2024 में दोबारा उनकी नियुक्ति तीन साल के लिए हुई, जिसकी समयसीमा 4 मई, 2027 को खत्म होने वाली थी। लेकिन अगले साल तक इंतजार न कर श्री चक्रवर्ती ने पहले ही इस्तीफा दे दिया।

पहले भारत और अब ईरान ने तोड़ा स्टील्थ एफ-35 की अदृश्यता का भ्रम

स्टील्थ तकनीक और एफ-35 की अजेयता का मिथक अब टूट रहा है। ईरान और भारत द्वारा इसे राडार पर पकड़ने की घटनाओं ने साबित किया है कि आधुनिक ट्रैकिंग सिस्टम के सामने कोई भी सैन्य तकनीक पूरी तरह अचूक और अदृश्य नहीं है। आधुनिक युद्ध में हथियार केवल धातु और मशीन नहीं होते, वे एक विचार भी होते हैं। एक ऐसा विचार, जो दुश्मन के मन में भय पैदा करे और अपने पक्ष में आत्मविश्वास भरे। पिछले तीन दशकों में अमेरिका ने अपनी सैन्य ताकत के साथ-साथ इसी अजेय तकनीक की छवि को गढ़ा है। स्टील्थ तकनीक इस छवि की सबसे चमकदार परत रही है और एफ-35 लड़ाकू विमान उसका सबसे महंगा, सबसे चर्चित प्रतीक, लेकिन ईरान के साथ बढ़ते टकराव में इस चमक पर हल्की दरार दिखाई देने लगी है। यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि स्टील्थ का युग खत्म हो गया, लेकिन गुरुवार (19 मार्च) को ईरान द्वारा एफ-35 को मिसाइल से निशाना बनाने के दावे ने यह जरूर साबित कर दिया है कि इसे पूरी तरह अचूक मानना अब आसान नहीं रहा। पिछले वर्ष भारत ने भी रॉयल ब्रिटिश एयरफोर्स के एफ-35 को राडार से पकड़ लिया था। इन घटनाओं ने अमेरिका के लिए एक असहज स्थिति पैदा कर दी है, वो तकनीकी नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक है। ईरान का रक्षात्मक से आक्रामक रुख और रणनीतिक संदेश दरअसल, अमेरिका एक दोहरी चुनौती से जूझ रहा है, सैन्य दबाव बनाए रखना, लेकिन पूर्ण युद्ध में फंसने से बचना। दूसरी ओर, ईरान ने यह संकेत देने में कोई कमी नहीं छोड़ी है कि वह केवल रक्षात्मक खिलाड़ी नहीं है, बल्कि जवाब देने की क्षमता और इच्छा दोनों रखता है। इस टकराव में केवल हथियार नहीं चल रहे, बल्कि संदेश भी भेजे जा रहे हैं। वही संदेश असली असर डाल रहे हैं। यदि ईरान के दावे को पूरी तरह स्वीकार न भी किया जाए, तब भी एक तथ्य स्पष्ट है, स्टील्थ प्लेटफॉर्म को ट्रैक करने की संभावना अब चर्चा के केंद्र में है। यही वह बिंदु है, जहां धारणा बदलती है। युद्ध में केवल वास्तविक नुकसान ही मायने नहीं रखता, बल्कि यह भी मायने रखता है कि दुनिया क्या मानती है। और इस घटना ने यही धारणा कमजोर की है कि स्टील्थ विमान दुश्मन की नजर से पूरी तरह दूर रह सकते हैं। वैश्विक रक्षा अर्थव्यवस्था और भरोसे की चुनौती एफ-35 केवल एक लड़ाकू विमान नहीं है, बल्कि वैश्विक रक्षा अर्थव्यवस्था का केंद्र है। इसमें कई देशों की भागीदारी, अरबों डॉलर का निवेश और दीर्घकालिक रणनीतिक भरोसा जुड़ा हुआ है। ऐसे में किसी भी विवाद या संदेह का असर सीधे बाजार और साझेदारियों पर पड़ता है। निवेशक केवल वर्तमान नहीं देखते, वे भविष्य की विश्वसनीयता का आकलन करते हैं। जैसे ही अजेयता पर सवाल उठता है, भरोसे में दरार आना स्वाभाविक है। अदृश्यता बनाम पहचानः स्टील्थ तकनीक की बदलती हकीकत अब स्टील्थ तकनीक की वास्तविकता को समझना जरूरी है। इसे अक्सर अदृश्यता के रूप में पेश किया गया, जबकि सच यह है कि यह केवल पहचान को कठिन बनाती है, असंभव नहीं। आधुनिक लो-फ्रीक्वेंसी राडार और इंफ्रारेड ट्रैकिंग सिस्टम इस कठिनाई को धीरे-धीरे कम कर रहे हैं। अब खेल यह नहीं रहा कि विमान दिखेगा या नहीं, बल्कि यह है कि वह कितनी देर तक खुद को छिपा सकता है। यहीं से स्टील्थ का मिथक दरकता है। तकनीक अब भी प्रभावी है, लेकिन वह अब अकेली निर्णायक शक्ति नहीं रही। भारतीय राडार क्षमता और 'अदृश्य' की पहचान भारत के संदर्भ में यह बदलाव और स्पष्ट दिखता है। केरल में रॉयल ब्रिटिश एयरफोर्स के एफ-35 का भारतीय राडार की पकड़ में आना केवल एक घटना नहीं, बल्कि एक संकेत था। भारतीय वायुसेना के पास अरुधरा जैसे स्वदेशी राडार और बहु-स्तरीय निगरानी तंत्र हैं, जो अलग-अलग फ्रीक्वेंसी पर काम करते हुए एक समग्र तस्वीर तैयार करते हैं। एकीकृत वायु कमान और नियंत्रण प्रणाली विभिन्न स्रोतों से डाटा जोड़कर उस अदृश्य को भी पहचानने की क्षमता विकसित कर चुकी है। स्टील्थ की वैज्ञानिक सीमाएं और राडार क्रॉस सेक्शन स्टील्थ की सीमाओं को वैज्ञानिक और रणनीतिक स्तर पर समझा जाए तो तस्वीर और स्पष्ट हो जाती है। पहला, राडार की फ्रीक्वेंसी का अंतर। एफ-35 को मुख्य रूप से एक्स-बैंड राडार से बचने के लिए डिजाइन किया गया है, लेकिन लंबी वेवलेंथ वाले लो-फ्रीक्वेंसी राडार उसके आकार से टकराकर संकेत वापस भेज सकते हैं। इससे भले सटीक लोकेशन न मिले, लेकिन उसकी मौजूदगी का अंदाजा हो जाता है। दूसरा, भौतिकी के नियम। कोई भी विमान राडार से बच सकता है, लेकिन अपनी गर्मी से नहीं। एफ-35 का शक्तिशाली इंजन अत्यधिक ताप पैदा करता है, जिसे आधुनिक इंफ्रारेड सर्च एंड ट्रैक सिस्टम आसानी से पकड़ सकते हैं। यह एक ऐसी खामी है जिसे पूरी तरह छिपाया नहीं जा सकता। तीसरा, शांति काल की रणनीति। कई बार ये विमान जानबूझकर अपने ऊपर विशेष उपकरण लगाकर राडार पर दिखाई देते हैं, ताकि उनका असली स्टील्थ सिग्नेचर छिपा रहे, यानी जो दिखाई देता है, वह हमेशा वास्तविक क्षमता का पूरा चित्र नहीं होता। चौथा, राडार क्रॉस सेक्शन की सीमा। स्टील्थ विमान खुद को छोटा दिखा सकते हैं, लेकिन पूरी तरह गायब नहीं। यदि राडार पर्याप्त शक्तिशाली हो या दूरी कम हो तो वह इस छोटे सिग्नल को भी पहचान सकता है। इन सभी पहलुओं को मिलाकर देखें तो स्पष्ट होता है कि स्टील्थ तकनीक एक फायदा है, लेकिन गारंटी नहीं। आधुनिक युद्ध में तकनीक और रणनीति का नया संतुलन मध्य-पूर्व की घटनाएं एक बड़े बदलाव की ओर इशारा करती हैं। वैश्विक सैन्य संतुलन अब पहले जैसा एकतरफा नहीं रहा। तकनीक अब भी महत्वपूर्ण है, लेकिन वह अकेले निर्णायक नहीं है। रणनीति, समन्वय और अनुकूलन क्षमता अब उतनी ही महत्वपूर्ण हो चुकी हैं।

ईरान का रक्षात्मक से आक्रामक रुख और रणनीतिक संदेश दरअसल, अमेरिका एक दोहरी चुनौती से जूझ रहा है, सैन्य दबाव बनाए रखना, लेकिन पूर्ण युद्ध में फंसने से बचना। दूसरी ओर, ईरान ने यह संकेत देने में कोई कमी नहीं छोड़ी है कि वह केवल रक्षात्मक खिलाड़ी नहीं है, बल्कि जवाब देने की क्षमता और इच्छा दोनों रखता है। इस टकराव में केवल हथियार नहीं चल रहे, बल्कि संदेश भी भेजे जा रहे हैं। वही संदेश असली असर डाल रहे हैं। यदि ईरान के दावे को पूरी तरह स्वीकार न भी किया जाए, तब भी एक तथ्य स्पष्ट है, स्टील्थ प्लेटफॉर्म को ट्रैक करने की संभावना अब चर्चा के केंद्र में है। यही वह बिंदु है, जहां धारणा बदलती है। युद्ध में केवल वास्तविक नुकसान ही मायने नहीं रखता, बल्कि यह भी मायने रखता है कि दुनिया क्या मानती है। और इस घटना ने यही धारणा कमजोर की है कि स्टील्थ विमान दुश्मन की नजर से पूरी तरह दूर रह सकते हैं। वैश्विक रक्षा अर्थव्यवस्था और भरोसे की चुनौती एफ-35 केवल एक लड़ाकू विमान नहीं है, बल्कि वैश्विक रक्षा अर्थव्यवस्था का केंद्र है। इसमें कई देशों की भागीदारी, अरबों डॉलर का निवेश और दीर्घकालिक रणनीतिक भरोसा जुड़ा हुआ है। ऐसे में किसी भी विवाद या संदेह का असर सीधे बाजार और साझेदारियों पर पड़ता है। निवेशक केवल वर्तमान नहीं देखते, वे भविष्य की विश्वसनीयता का आकलन करते हैं। जैसे ही अजेयता पर सवाल उठता है, भरोसे में दरार आना स्वाभाविक है। अदृश्यता बनाम पहचानः स्टील्थ तकनीक की बदलती हकीकत अब स्टील्थ तकनीक की वास्तविकता को समझना जरूरी है। इसे अक्सर अदृश्यता के रूप में पेश किया गया, जबकि सच यह है कि यह केवल पहचान को कठिन बनाती है, असंभव नहीं। आधुनिक लो-फ्रीक्वेंसी राडार और इंफ्रारेड ट्रैकिंग सिस्टम इस कठिनाई को धीरे-धीरे कम कर रहे हैं। अब खेल यह नहीं रहा कि विमान दिखेगा या नहीं, बल्कि यह है कि वह कितनी देर तक खुद को छिपा सकता है। यहीं से स्टील्थ का मिथक दरकता है। तकनीक अब भी प्रभावी है, लेकिन वह अब अकेली निर्णायक शक्ति नहीं रही। भारतीय राडार क्षमता और 'अदृश्य' की पहचान भारत के संदर्भ में यह बदलाव और स्पष्ट दिखता है। केरल में रॉयल ब्रिटिश एयरफोर्स के एफ-35 का भारतीय राडार की पकड़ में आना केवल एक घटना नहीं, बल्कि एक संकेत था। भारतीय वायुसेना के पास अरुधरा जैसे स्वदेशी राडार और बहु-स्तरीय निगरानी तंत्र हैं, जो अलग-अलग फ्रीक्वेंसी पर काम करते हुए एक समग्र तस्वीर तैयार करते हैं। एकीकृत वायु कमान और नियंत्रण प्रणाली विभिन्न स्रोतों से डाटा जोड़कर उस अदृश्य को भी पहचानने की क्षमता विकसित कर चुकी है। स्टील्थ की वैज्ञानिक सीमाएं और राडार क्रॉस सेक्शन स्टील्थ की सीमाओं को वैज्ञानिक और रणनीतिक स्तर पर समझा जाए तो तस्वीर और स्पष्ट हो जाती है। पहला, राडार की फ्रीक्वेंसी का अंतर।

उपभोक्ता अदालतों में खाली कुर्सियां एक बड़ी समस्या

भाविनी मिश्रा

भारत की उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रणाली एक संरचनात्मक संकट का सामना कर रही है, जिसकी शुरूआत कानून या योजना से नहीं, बल्कि खाली कुर्सियों से होती है। उपभोक्ता न्याय रिपोर्ट 2026 एक ऐसी व्यवस्था को उजागर करती है, जिसमें राज्य और जिला दोनों स्तरों पर रिक्तियों और महिलाओं के घटते प्रतिनिधित्व ने संस्थागत क्षमता को खोखला कर दिया है, जिससे न्याय वितरण धीमा हो गया है और उपभोक्ता विश्वास कम। इंडिया जस्टिस रिपोर्ट (आई.जे.आर.) द्वारा जारी की गई यह रिपोर्ट, सूचना के अधिकार से संबंधित आंकड़ों और संसदीय प्रश्नों के आधार पर राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोगों (एस.सी.डी.आर.सी.एस.) की स्थिति का आकलन करती है। राज्य आयोगों में, प्रत्येक 5 में से 1 पद रिक्त है, कुछ राज्यों में तो 40 प्रतिशत से अधिक पद खाली हैं। आधे से अधिक एस.सी.डी.आर.सी.एस. में अध्यक्षों और सदस्यों की पूरी संख्या नहीं है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जिला और राज्य आयोगों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 2021 में 35 प्रतिशत से घटकर 2024 में 23.2 प्रतिशत हो गया, जो बाद में 2025 में बढ़कर 29 प्रतिशत हो गया। 2024 में केवल दिल्ली और सिक्किम राज्य आयोगों में महिला अध्यक्ष होने की जानकारी मिली। कई मामलों में, आयोग बैंच गठित करने में भी असमर्थ रहे। जिला स्तर पर संकट और भी गहरा जाता है। भारत में 775 जिलों के लिए केवल 685 जिला आयोग हैं, जिससे उपभोक्ता न्याय तक बुनियादी पहुंच में कमी रह जाती है। संस्थागत कमियों के कारण लंबित मामले रू उपभोक्ता मामलों में से लगभग 33 प्रतिशत मामले अभी भी 3 साल से अधिक समय से लंबित हैं, जो कि 3 से 5 महीने की वैधानिक समय सीमा से कहीं अधिक है। झारखंड में कर्मचारियों के लगभग 64 प्रतिशत पद रिक्त हैं, जो रिपोर्ट करने वाले राज्यों में सबसे अधिक है। इसी तरह, पुडुचेरी और दिल्ली में भी 40 प्रतिशत या उससे अधिक पद रिक्त हैं। केरल और हिमाचल प्रदेश भी अपनी वैधानिक बैंचों का गठन करने की आवश्यकताओं को पूरा करने में संघर्ष कर रहे हैं। इसके विपरीत, कुछ राज्य अपेक्षाकृत कम रिक्तियों और बेहतर संस्थागत निरंतरता के साथ अधिक स्थिर स्थिति प्रस्तुत करते हैं, जैसे बिहार और हरियाणा अपवाद के रूप में सामने आए हैं, जिन्होंने विशेष रूप से बड़े और मध्यम आकार के राज्यों में अध्यक्ष और सदस्य दोनों पदों को भरा है। महानगरीय संदर्भ में, बेंगलुरु के जिला आयोगों ने 2021 से 2025 के बीच सदस्यों और अध्यक्षों की पूरी संख्या होने की रिपोर्ट दी, जबकि कोलकाता ने भी अधिकांश वर्षों में लगातार कर्मचारियों की संख्या बनाए रखी। राज्य और जिला स्तर पर लगभग 89 प्रतिशत मामलों का निपटारा हो चुका है लेकिन यह आंकड़ा एक गहरी अक्षमता को छिपाता है। निपटारे की गति दर्ज मामलों की संख्या के बराबर नहीं है और न्याय निर्णय में देरी लगातार बढ़ती जा रही है। बढ़ते मामले, घटती कार्यकुशलता रू रिपोर्ट में 2010 से 2024 के बीच दर्ज किए गए लगभग 28 लाख मामलों का विश्लेषण किया गया है, जो महामारी के बाद दर्ज किए गए और निपटाए गए दोनों मामलों में स्पष्ट वृद्धि दशार्ते हैं। हालांकि, कार्यकुशलता में गिरावट आ रही है। वार्षिक मामले निपटान दर, जो हाल के वर्षों में 100 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई थी, 2024 में घटकर 98 प्रतिशत हो गई, जो इस बात का संकेत है कि नए मामले निपटाए गए मामलों से अधिक होने लगे हैं। न्याय की दहलीज पर बाधा रू मामलों की संख्या बढने के बावजूद, बड़ी संख्या में उपभोक्ता ऐसे आयोगों से संपर्क नहीं करना पसंद करते। रिपोर्ट एक महत्वपूर्ण व्यावहारिक अंतर्दृष्टि को उजागर करती है-लोग अक्सर मुकद्दमेबाजी से इसलिए नहीं बचते क्योंकि नुकसान नगण्य होता है, बल्कि इसलिए कि प्रणाली दूरस्थ, जटिल और धीमी लगती है। यह न्याय की सीमा समय पर और सुलभ निवारण में विश्वास के क्षरण को दशार्ती है। राज्यों में असमान प्रदर्शन रू तमिलनाडु जैसे कुछ राज्यों में अपेक्षाकृत अच्छी मंजूरी दर देखी जा रही है, जबकि अन्य राज्य लगातार लंबित मामलों से जूझ रहे हैं। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र में आवेदन तो अधिक आते हैं लेकिन कार्यकुशलता कम है, जिसके परिणामस्वरूप काफी संख्या में आवेदन लंबित रहते हैं। बड़े राज्यों में आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान का प्रदर्शन अपेक्षाकृत अच्छा है, जबकि तेलंगाना और झारखंड पीछे रह गए हैं। छोटे राज्यों में मेघालय और सिक्किम अग्रणी हैं, जबकि पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों को क्षमता संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रीय दबाव और संरचनात्मक सीमाएं रू कुछ क्षेत्र मुकद्दमेबाजी के परिदृश्य में हावी हैं। राष्ट्रीय स्तर पर आवास क्षेत्र सबसे ऊपर है, उसके बाद बीमा और बैंकिंग का स्थान आता है। जिला स्तर पर, अन्य श्रेणी का हिस्सा सबसे अधिक है, उसके बाद बीमा क्षेत्र का स्थान आता है, जो अकेले ही मामलों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

अमरीका-ईरान युद्ध और भारत, पूर्व सैनिक की चिंता

रजनीश कपूर

आज की दुनिया की सबसे बड़ी चिंता है तेल का दाम। पैट्रोल, डीजल, रसोई गैस और हर चीज महंगी हो रही है। क्यों? क्योंकि अमरीका और इसराईल ने मिलकर ईरान पर हमला कर दिया। ईरान ने जवाब दिया, मिसाइलें और ड्रोन दागे। अब युद्ध 2 सप्ताह से ज्यादा चल रहा है। तेल 110 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। होर्मुज की खाड़ी, जहां से दुनिया का 20 प्रतिशत तेल गुजरता है, पर भी खतरा मंडरा रहा है। भारत की बात करें तो रिटायर्ड मेजर जनरल जी.डी. बख्शी ने सोशल मीडिया और टी.वी. पर बार-बार कहा, यह हमला गलत था। अमरीका-इसराईल ने ईरान को बहुत कम आंका। जनरल बख्शी ने अपने एक पोस्ट में लिखा, सब सोच रहे थे कि ये केकवॉक होगा लेकिन मैंने शुरू से चेतावनी दी थी कि ईरान को कम मत समझो। ये असीमित युद्ध लड़ेगा।एक टी.वी. इंटरव्यू में उन्होंने सरल भाषा में समझाया कि क्या गलती हुई। ईरान के पास सस्ते ड्रोन (20,000 डॉलर का एक) हैं, जबकि अमरीका-इसराईल के महंगे इंटरसैप्टर मिसाइल (20 लाख डॉलर का एक) खत्म हो रहे हैं। ईरान ने हाइपरसोनिक मिसाइलें दागीं, जो राडार से बच सकती हैं। इन मिसाइलों ने कतर के राडार, थाड बैटरी, अमरीकी बेस और इसराईल के कई शहरों पर हमले किए। 15 दिन में 650 मिसाइलें और 2600 ड्रोन तबाह हुए, 21 अमरीकी सैनिक मारे गए। इस सबका अंदाजन खर्च करीब 21 अरब डॉलर से ज्यादा हुआ। जनरल बख्शी के अनुसार, ट्रम्प ने सोचा था कि खामेनेई के मरते ही युद्ध खत्म हो जाएगा लेकिन ईरान का हौसला बहुत ऊंचा है।

8 साल के ईरान-इराक युद्ध में 10 लाख मौतें हुईं, फिर भी ईरान नहीं झुका। अब यह अस्तित्व की लड़ाई है।वह आगे कहते हैं, होर्मुज खाड़ी बंद करने से पूरी दुनिया में मंदी आ जाएगी। तेल 150 डॉलर से भी ऊपर जा सकता है। अमरीका के लिए बॉडी बैग्स (सैनिकों की मौत) मिडटर्म चुनाव में आफत बन सकते हैं। ट्रम्प फंस गए हैं। यह युद्ध शुरू करना आसान था लेकिन खत्म करना मुश्किल। यह 21वीं सदी का सबसे बड़ा संघर्ष है। हम दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल आयातक हैं। 80 प्रतिशत तेल बाहर से आता है। यदि होर्मुज बंद हुआ तो पैट्रोल 150-200 रुपए लीटर हो जाएगा। रसोई गैस भी महंगी हो जाएगी। वहीं खाड़ी देशों में काम करने वाले 9 लाख भारतीयों की नौकरी भी खतरे में आ जाएगी। ईरान के साथ भारत का चाबहार बंदरगाह प्रोजैक्ट ठप्प पड़ सकता है। अफगानिस्तान और मध्य एशिया का मार्ग भी बंद हो सकता है। महंगाई आम आदमी की जेब काटेगी। गौरतलब है कि भारत ने हमेशा युद्ध की स्थिति में संतुलन बनाए रखा। इस युद्ध की बात करें, तो ईरान से हमें सस्ता तेल, इसराईल से हथियार और टैक्नोलॉजी और अमरीका से व्यापार मिलता रहा है। लेकिन इस बार मोदी सरकार ने अमरीका-इसराईल के साथ खुलकर खड़ा होने का फैसला किया। प्रधानमंत्री मोदी फरवरी में इसराईल गए। वहां उन्होंने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ स्पैशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप की घोषणा की। युद्ध शुरू होते ही भारत ने ईरान के हमलों की निंदा की। खाड़ी देशों के राजाओं को फोन कर समर्थन जताया। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के खिलाफ प्रस्ताव का समर्थन किया। खामेनेई की मौत पर ईरानी दूतावास में श्रद्धांजलि देरी से दी। हम ब्रिक्स के अध्यक्ष हैं। रूस-चीन-ईरान हमारे साथी हैं। लेकिन अमरीका के दबाव में हम ईरान के खिलाफ खड़े हो गए। भारत इसराईल और ईरान से अच्छे संबंध रखता है। हम युद्धविराम के मध्यस्थ बन सकते हैं लेकिन सरकार ने मध्यस्थता की बजाय एकतरफा रुख अपनाया। भारत को तटस्थ रहना चाहिए था, दोनों पक्षों से बात कर युद्धविराम की अपील करनी चाहिए थी। संयुक्त राष्ट्र में शांति और संवाद का प्रस्ताव लाना चाहिए था। ईरान से तेल खरीदना जारी रखना चाहिए था। चाबहार प्रोजैक्ट को मजबूत करना चाहिए था। सरकार ने सोचा कि अमरीका-इसराईल के साथ खड़े होने से फायदा होगा लेकिन भूल गए कि ईरान हमारा पुराना दोस्त है। चाबहार बंदरगाह अमरीका के खिलाफ हमारा रणनीतिक कदम था। सस्ता ईरानी तेल हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूत करता था। अब तेल महंगा होने से मुद्रास्फीति बढ़ेगी। विदेशी मुद्रा भंडार पर बोझ पड़ेगा। यदि भारत क्वाड और ब्रिक्स दोनों का सदस्य है तो हमारी आवाज दोनों तरफ सुनी जाती। लेकिन क्या एकतरफा रुख अपनाकर हमने अपनी ताकत कम कर दी? मेजर जनरल बख्शी के अनुसार, यह मूर्खतापूर्ण युद्ध है। यह जल्द खत्म हो।भारत को अब अपनी गलती सुधारनी चाहिए। भारत की विदेश नीति हमेशा सभी के साथ, किसी के खिलाफ नहीं रही है। मोदी सरकार को इस सिद्धांत पर लौटना चाहिए। क्योंकि अंत में भारत का हित सबसे ऊपर है-सस्ता तेल, सुरक्षित नौकरियां और मजबूत अर्थव्यवस्था। युद्ध में किसी एक का पक्ष नहीं, बल्कि शांति का पक्ष लेना चाहिए।

अभी भी झोल है जीडीपी की गणना में

अरविन्द मोहन

इसे मात्र संयोग मानना चाहिए कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की नई शृंखला जारी होते ही कीमतें बढ़ने का और सकल घरेलू उत्पादन-जीडीपी की गणना की नई शृंखला जारी होते ही वैश्विक स्तर पर काफी उथल-पुथल का दौर शुरू हो गया है और जाहिर तौर पर हमारी अर्थव्यवस्था उससे भी प्रभावित होगी ही। प्रधानमंत्री समेत सरकार के कई कर्ताधताओं को आज आत्मनिर्भरता की नीति याद भले आती हो लेकिन मौजूदा सारी नीतियां दरवाजे खोलने वाली ही हैं। इन सब के बीच यह कहने में हर्ज नहीं है कि 12 साल बाद आई नई शृंखला का स्वागत होना चाहिए क्योंकि यह काम हर दस साल में हो जाना चाहिए। दूसरी बड़ी बात इस शृंखला में किए गए बदलावों की है जो निश्चित रूप से हमारी आर्थिक गणना को पहले से ज्यादा व्यापक आधार देते हैं और इसलिए वास्तविकता के ज्यादा करीब पहुंचाएंगे। 2011-12 के आधार वर्ष वाली पिछली शृंखला भी मोदी राज में ही जारी हुई थी और उसमें किए गए कुछ बदलावों की पूरे समय आलोचना होती रही है क्योंकि उनसे जीडीपी विकास की दर कुछ ज्यादा ही तेज दिखने का आरोप था और दूसरों की कौन कहे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने सूचकांकों के मामले में उसे सी-ग्रेड दिया था जिस पर अच्छा खासा बवाल मचा। सांख्यिकी से जुड़े हमारे जानकार भी उसमें गंभीर कमियों पर शोर मचाते रहे लेकिन काम बढ़ता गया। अब इस बार क्या-क्या बदलाव हुए हैं उसकी पूरी जानकारी तो 26 फरवरी के सरकारी रिलीज में बहुत विस्तार से बताई गई है। लेकिन इतना बताना जरूरी है कि इसमें चालू अनुभवों के आधार पर अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के भारांक में बदलाव किया गया है। जीएसटी, ई-वाहन डाटा और प्रॉविडन्ट फंड जैसे नए ठिकानों पर स्वाभाविक क्रम और नई तकनीक के चलते जुटने वाले आंकड़ों को ज्यादा महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है और जीडीपी-ऋण अनुपात तथा राजकोषीय प्रबंधन संबंधी गणना को और सुधारने का प्रयास किया गया है। इसका एक मतलब अनौपचारिक क्षेत्र को औपचारिक गणना में स्थान देने के साथ महत्व देना है और इससे गणना सुधरेगी। एक कोशिश पुरानी शृंखला की जाहिर कमजोरियों से हल्का होने का है और संभव है कि इससे कुछ हिसाब बदलेंगे जिनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था के सपने का कुछ और दूर हो जाना भी हो सकता है। लेकिन इन सबके ऊपर विकास दर के तेज होने की उम्मीद भी जाहिर की गई। अब इसे चालाकी मानें या भूल सुधार लेकिन नई शृंखला बनाने में भी कम चालाकियां नहीं दिखतीं। सबसे बड़ी चालाकी तो जीडीपी के मूल आधार की गिनती का ही है जिसे 2025-26 में 357 लाख करोड़ की जगह 345 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया। जब गणना चालू कीमत के आधार पर होनी है तो इतना बड़ा फर्क कैसे आ सकता है। यह जरूर होगा कि आधारध्बेस सिकुड़ेगा तो जीडीपी विकास दर का हिसाब ऊपर जाएगा। यह भी गड़बड़ लगता है कि आप नई शृंखला में सेवा क्षेत्र के भारांक को कम करें और कृषि तथा करखनिया उत्पादन का भारांक बढ़ा दें। खेती का योगदान हमारे जीवन में ही नहीं अर्थव्यवस्था में कम होता गया है भले ही भोजन में उसके योगदान को कोई भी अर्थव्यवस्था नहीं भूल सकती। यहां खपत वाला पक्ष हिसाब के लगभग बाहर है। महंगाई और खपत-उत्पादन के परस्पर रिश्ते को समझना और उसे सूचकांकों तथा नमूना सर्वेक्षणों के अलावा दूसरी सूचनाओं के आधार पर ले जाने का फैसला भी बहुत साफ सुथरा नहीं है। सर्वेक्षणों और आंकड़ों के प्रवाह से इस सरकार को कैसी परेशानी रही है यह पिछले दसेक वर्षों में बार-बार दिखा है। एक छल रचने का प्रयास इसमें दिखता है जिसकी तरफ यह लेखक सिर्फ इशारा कर सकता है। ज्यादा विस्तार से इसकी जांच और सत्यापन का काम सांख्यिकी और अर्थशास्त्र के अधिक जानकार लोग कर सकते हैं(सारा जीवन पत्रकार होने के चलते इस क्षेत्र का ज्यादा व्यापक अध्ययन संभव भी नहीं था)। इस बार राजकोषीय और वित्तीय प्रबंधन के घोषित मानकों के अनुसार अपना नंबर सुधारना भी एक लक्ष्य लगता है। अगर गणना तेज जीडीपी विकास बताती है तो अर्थव्यवस्था का बढ़ा आकार आपके ऋ ण की स्थिति को नहीं उसकी गणना को सुधार देता है, उसमें बड़े आराम से चार-पांच फीसदी की कमी दिखा सकता है। यह सांख्यिकी का सच नहीं छल है। यही बात हम जीएसटी की वसूली और पीएफ के आंकड़ों के मामले में अभी देख रहे हैं। असल में यह सारा हिसाब अर्थव्यवस्था में बदलाव की जगह गणना में बदलाव का है या गणना सुधारने का है- इन-फार्मल सेक्टर के फार्मल में आने भर का है। रोजगार, उपभोग, उत्पादन, कीमतों में उतना फर्क नहीं आ रहा जितना आंकड़े बताने लग रहे हैं और इसका लाभ सरकार अपनी उन्हीं नीतियों को जारी रखने में ले रही है जो गरीबों और कमजोरों के लिए, दीर्घकालिक और टिकाऊ विकास के लिए और समानता के घोषित लक्ष्य के लिए नुकसानदेह साबित हो रही हैं। जीडीपी सिर्फहेडलाइन की चीज नहीं है तो उसे मापने का पैमाना भी शुद्ध होना चाहिए।

काली पट्टी बांधकर अदा की गई अलविदा की नमाज,बारिश से बचने के लिए नमाजियों ने तानी पन्नी

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आज अलविदा (रमजान का आखिरी जुमा) की नमाज अदा की गई। अलविदा की नमाज शहर की सभी मस्जिदों में हुई। इरान-इजराइल के बीच चल रहे जंग के विरोध में बड़ा इमामबाड़ा में हाथ में काली पट्ष्टी बांधकर नमाज पढ़ी गई। ऐशबाग ईदगाह स्थित जामा मस्जिद में मौलाना खालिद रशीद की इमामत में नमाज अदा की गई। बता दें कि पिछले शुक्रवार को भी अलविदा की नमाज पढ़ी गई थी, लेकिन 19 मार्च को चांद न दिखने की वजह से आज, 20 मार्च को ईद नहीं मनाई गई। आज फिर से अलविदा की नमाज अदा की गई। टीले वाली मस्जिद पर नमाज को लेकर खास तैयारी की गई। मस्जिद के इमाम मौलाना फजलुल मन्नान ने बताया कि यहां 370 सालों से अलविदा की नमाज अदा की जा रही है। मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि अलविदा जुमा हमको यह एहसास करवाता है कि हमारे बीच से रमजान जा रहा है। यह आखिरी जुमा बेहद खास होता है हम सभी लोगों को इस खास दिन पर ज्यादा से ज्यादा दुआएं करना चाहिए। विशेष रूप से देश में अमन और शांति के लिए दुआ करनी चाहिए। मौलाना ने कहा कि रमजान के अंतिम दिनों में जरूरतमंद लोगों तक हमें पहुंचना चाहिए।

क्या आपकी भी स्लीप साइकिल खराब हो गई है? इन उपायों से तीन दिनों में ठीक हो सकती है नींद की समस्या

स्लीप साइकिल खराब होना एक सामान्य समस्या है, जिससे लगभग सभी लोग कभी न कभी जरूर परेशान होते हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि अगर ये आदत लंबे समय तक बनी रही तो आपको कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए आइए इस लेख में इसे सुधारने के बारे में जानते हैं।: आज के डिजिटल युग में, 'स्लीप साइकिल' या नींद के चक्र का बिगड़ना एक वैश्विक महामारी बन चुका है। देर रात तक मोबाइल स्क्रीन से चिपके रहना, काम का तनाव और अनियमित खान-पान ने कई लोगों के सर्केडियन रिदम (जैविक घड़ी) को अस्त-व्यस्त कर दिया है। जब हम अपनी नेचुरल नींद के साथ खिलवाड़ करते हैं, तो इसका सीधा असर हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। शुरूआत में शरीर थकान, चिड़चिड़ेपन और काम में मन न लगने जैसे संकेत देता है, जिन्हें नजरअंदाज करने पर आगे चलकर दिल की बीमारी और डिप्रेशन जैसी बड़ी मुसीबतें पैदा हो सकती हैं। मगर अच्छी बात यह है कि आप अपनी स्लीप साइकिल को वापस ठीक कर सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की माने तो अगर कुछ अनुशासित बदलाव किए जाएं, तो मात्र तीन दिनों के भीतर आप अपकी स्लीप साइकिल पटरी पर लौट सकती है। आइए उन कारगर उपायों के बारे में जानते हैं, जो आपको गहरी और सुकून भरी नींद दिलाने में मदद कर सकते हैं।

तीन दिनों में नींद ठीक करने के लिए क्या करें?

अपनी स्लीप साइकिल को रीसेट करने के लिए इन चरणों का पालन करें-

अगले तीन दिनों तक, चाहे जो हो जाए, सोने और जागने का एक ही समय तय करें।

सोने का जो भी समय तय करें, उससे ठीक 1 घंटा पहले सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स को खुद से दूर कर दें।

जागने के तुरंत बाद 15-20 मिनट प्राकृतिक धूप में बिताएं, यह आपके मस्तिष्क को 'जागने' का संकेत देता है।

दोपहर 2 बजे के बाद चाय या कॉफी का सेवन पूरी तरह बंद कर दें।

स्लीप साइकिल बिगड़ने के मुख्य कारण क्या हैं?

नींद की समस्या रातों-रात पैदा नहीं होती, इसके पीछे हमारी ये गलतियां जिम्मेदार होती हैं-

मोबाइल और लैपटॉप से निकलने वाली नीली रोशनी 'मेलाटोनिन' हार्मोन के उत्पादन को रोक देती है।

सोने से ठीक पहले भारी भोजन करने से पाचन तंत्र सक्रिय रहता है, जिससे गहरी नींद नहीं आती।

दिन के समय लंबी नींद लेने से रात की प्राकृतिक थकान खत्म हो जाती है।

दिनभर बैठे रहने से शरीर की ऊर्जा खर्च नहीं होती, जिससे रात को बेचैनी होती है।

अगर नींद ठीक न हुई तो आगे क्या प्रभाव पड़ेगा?

खराब नींद को नजरअंदाज करना आपके भविष्य के लिए खतरनाक साबित हो सकता है-

लगातार नींद की कमी से एंग्जायटी, पैनिक अटैक और याददाश्त कमजोर होने का खतरा बढ़ जाता है।

अधूरी नींद मोटापे और टाइप-2 डायबिटीज के जोखिम को कई गुना बढ़ा देती है।

नींद की कमी से ब्लड प्रेशर बढ़ता है, जो लंबे समय में स्ट्रोक या हार्ट अटैक का कारण बन सकता है।

शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता घट जाती है, जिससे आप बार-बार बीमार पड़ने लगते हैं।

अनुशासित रहना बहुत जरूरी

स्लीप साइकिल को ठीक करना कोई रॉकेट साइंस नहीं है, बल्कि यह आपकी इच्छाशक्ति और अनुशासन का मामला है। शुरूआती तीन दिन चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन जब आपका शरीर नए पैटर्न को अपना लेगा, तो आप सुबह तरोताजा महसूस करेंगे। ध्यान रखें, अच्छी नींद स्वस्थ जीवन यापन करने के लिए एक बुनियादी जरूरत है। अपने गैजेट्स को थोड़ा आराम दें और अपनी जैविक घड़ी को सुधारने पर फोकस करें।

पेट में बनी गैस का इलाज है किचन में रखी ये आम सी चीजें, मिनटों में मिल जाएगा आराम

आजकल गलत खानपान और अनियमित दिनचर्या के कारण गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग की समस्या बहुत आम हो गई है। लेकिन अच्छी बात यह है कि आपकी रसोई में मौजूद कुछ मसाले ही इस परेशानी से राहत दिला सकते हैं। अगर आप रोज के खाने में इन मसालों को

शामिल करें, तो पेट हल्का रहेगा और गैस बनने की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है। चलिए जानते हैं इसके बारे में

अजवाइन

अजवाइन पेट के लिए सबसे फायदेमंद मानी जाती है। यह पाचन को बेहतर बनाती है और गैस को तुरंत राहत देती है। खाने के बाद थोड़ा सा अजवाइन नमक के साथ लेना फायदेमंद होता है।

जीरा

जीरा पाचन एंजाइम्स को एक्टिव करता है और गैस बनने से रोकता है। सब्जी या दाल में तड़के के रूप में इसका इस्तेमाल बहुत फायदेमंद है।

सौंफ

सौंफ पेट को ठंडक देती है और ब्लोटिंग कम करती है। यह गैस और अपच दोनों में राहत देती है। खाना खाने के बाद सौंफ चबाना बहुत अच्छा माना जाता है।

हींग

हींग गैस की समस्या के लिए रामबाण मानी जाती है। यह आंतों में गैस बनने से रोकती है और तुरंत आराम देती है। दाल या सब्जी में चुटकी भर हींग जरूर डालें।

अदरक

अदरक पाचन को मजबूत बनाता है और गैस, एसिडिटी से राहत देता है। इसे खाने में या चाय में शामिल किया जा सकता है।

काली मिर्च

काली मिर्च पाचन शक्ति बढ़ाती है और पेट में गैस बनने से रोकती है। यह मेटाबॉलिज्म को भी बेहतर बनाती है।

क्यों घर के अंदर नहीं पहनने चाहिए जूते? डॉक्टर ने बताया सेहत को होने वाले बड़े नुकसान

अक्सर लोग घर के अंदर भी जूते या चप्पल पहनकर चलने लगते हैं। यह आदत भले ही सामान्य लगती हो, लेकिन डॉक्टरों के मुताबिक यह आपकी सेहत के लिए धीमे जहर की तरह काम कर सकती है। बाहर पहने गए जूतों के साथ घर के अंदर गंदगी, बैक्टीरिया, वायरस और जहरीले केमिकल्स भी पहुंच जाते हैं, जो कई गंभीर बीमारियों की वजह बन सकते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, घर में जूते पहनना सीधे तौर पर इंफेक्शन और एलर्जी का खतरा बढ़ाता है। यही वजह है कि वे घर में नो शूज पॉलिसी अपनाने की सलाह देते हैं।

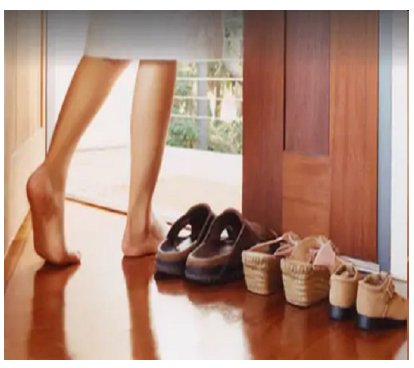

घर के अंदर क्यों नहीं लाने चाहिए जूते-चप्पल?

एक्सपर्ट्स के अनुसार, बाहर पहने जाने वाले जूतों के तलवों में सड़कों की मिट्टी, थूक के सूक्ष्म कण, जानवरों का मल, कीटनाशक और टॉक्सिक के मिकल्स चिपक जाते हैं। जब यही जूते घर के अंदर पहने जाते हैं, तो ये सभी हानिकारक तत्व फर्श के जरिए पूरे घर में फैल जाते हैं, जिससे बैक्टीरिया और वायरस तेजी से फैलते हैं और बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। बच्चों के लिए क्यों है यह आदत ज्यादा खतरनाक? घर में जूते पहनना बच्चों के लिए सबसे ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है। छोटे बच्चे अक्सर फर्श पर खेलते हैं खिलौनों या चीजों को उठाकर मुंह में डाल लेते हैं ऐसे में जूतों के जरिए आए बैक्टीरिया और वायरस बच्चों के शरीर में आसानी से प्रवेश कर जाते हैं, जिससे उन्हें डायरिया, इंफेक्शन, एलर्जी और सांस से जुड़ी बीमारियां हो सकती हैं। घर में जूते पहनने से कौन-सी बीमारियां हो सकती हैं? डॉक्टरों के अनुसार, यह आदत इन समस्याओं को जन्म दे सकती है। बैक्टीरियल और वायरल इंफेक्शन स्किन इंफेक्शन और फंगल एलर्जी टॉक्सिक केमिकल्स का असर कमजोर इम्यून सिस्टम एलर्जी और छींक-खांसी अस्थमा और सांस की दिक्कत। इस आदत से बचने के आसान उपाय अगर आप सेहतमंद रहना चाहते हैं तो इन उपायों को जरूर अपनाएं। घर के बाहर ही जूते-चप्पल उतारने का नियम बनाएं दरवाजे के पास जूतों का स्टैंड रखें बच्चों को फर्श पर खेलने से पहले सफाई जरूर करें।

अकेले ट्रेवल करना चाहती हैं तो ये जगहें हैं लड़कियों के लिए हैं सबसे बेस्ट

अगर आप अकेली महिला हैं और घूमने की शौकीन हैं तो हम आपको ऐसी जगहों की जानकारी देंगे, जो महिलाओं के लिए एकदम सेफ हैं। एक समय था जब लड़कियां अकेले घर से बाहर निकलने से डरती थीं, लेकिन बदलते समय के साथ अब महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। इसके साथ-साथ वो अकेले यात्रा करने का प्लान भी कर रही हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि सोलो ट्रैवलिंग एक बेहतरीन तरीका है अपनी खुद की दुनिया को जानने और अनुभवों को सहेजने का। अकेले यात्रा करने से आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और नई चीजों का अनुभव मिलता है। हालांकि, जब आप अकेले यात्रा करने का सोचती हैं तो ये जरूरी है कि आप ऐसी जगहों का चयन करें जहां सुरक्षा, सुविधा और रोमांच का बेहतरीन मिश्रण हो। भारत में कई ऐसी अद्भुत जगहें हैं जो लड़कियों के लिए सबसे उपयुक्त मानी हैं, जहां न सिर्फ आप सुकून से यात्रा कर सकती हैं बल्कि अपने सफर को और भी यादगार बना सकती हैं। हम आपको ऐसी कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बता रहे हैं जहां लड़कियां अकेले बिना किसी परेशानी के यात्रा कर सकती हैं और अपने सफर का भरपूर आनंद ले सकती हैं।

उदयपुर, राजस्थान

झीलों का शहर उदयपुर, अपनी शांति, ऐतिहासिक धरोहर और

खूबसूरत झीलों के लिए प्रसिद्ध है।

यहां की सुरक्षित परिवहन व्यवस्था और शांतिपूर्ण वातावरण, महिलाओं के लिए आदर्श हैं।

यहां के किलों और महलों की सैर करने का अपना अलग ही अनुभव होता है।

मनाली, हिमाचल प्रदेश

मनाली भारत के सबसे सुरक्षित और प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है।

यहां की प्राकृतिक सुंदरता और ठंडी हवा अकेले यात्रा करने वाली महिलाओं के लिए आदर्श बनाती है।

मनाली में महिलाएं अकेले ट्रैकिंग, रिवर राफ्टिंग और एडवेंचर स्पोर्ट्स का आनंद भी ले सकती हैं।

गोवा

गोवा में कैंडोलिम, बागा और कलंगुट बीच महिलाओं के लिए एक बेहतरीन जगह है।

गोवा में नाइटलाइफ, समुंदर किनारे की सैर और सैलानी कल्चर बहुत ही आकर्षक हैं।

यहां का परिवहन सुरक्षित और सहज है, और महिलाएं यहां आराम से अकेले घूम सकती हैं।

गोवा का सांस्कृतिक परिवेश भी महिलाओं के लिए सुरक्षित है।

कूर्ग, कर्नाटका

कूर्ग एक बेहद सुंदर और सुरक्षित स्थल है, जो महिलाओं के लिए आदर्श है।

ये हिल स्टेशन अपनी चाय के बागानों, झरनों और शांतिपूर्ण वातावरण के लिए जाना जाता है।

यहां के वातावरण में आपको शांति और प्राकृतिक सौंदर्य का भरपूर आनंद मिलेगा।

केरल

केरल जिसे ₹भारत का स्वर्ग₹ भी कहा जाता है, एक बेहद सुरक्षित राज्य है।

यहां की वायनाड, मुन्नार और अल्लेप्पी जैसी जगहें महिलाओं के लिए आदर्श हैं।

केरल में शांति और प्राकृतिक सौंदर्य का भरपूर अनुभव किया जा सकता है।

यहां की ट्रांसपोर्ट व्यवस्था भी काफी सुरक्षित और महिला-अनुकूल है।

पुरी, ओडिशा

पुरी में न केवल समुद्र तट की सुंदरता है, बल्कि यहां की ऐतिहासिक संस्कृति भी बहुत समृद्ध है।

यहां की शांतिपूर्ण और धार्मिक वातावरण के कारण महिलाएं अकेले यात्रा करने के लिए सुरक्षित महसूस करती हैं।

पुरी के जगन्नाथ मंदिर की धार्मिक यात्रा भी एक शानदार अनुभव देती है।

क्या वाकई पत्ता गोभी से घुटनों के दर्द में राहत मिलती है? जानें ठंडी पट्टी कैसे बनाएं

उम्र बढ़ने के साथ-साथ घुटनों में दर्द होना आम समस्या बन जाती है। लेकिन आजकल खराब लाइफस्टाइल और खानपान की वजह से यह समस्या कम उम्र के लोगों में भी देखने को मिल रही है। ऐसे में घरेलू उपायों की ओर रुख करना आम हो गया है, जिसमें पत्ता गोभी की ठंडी पट्टी काफी लोकप्रिय है।आचार्य के अनुसार, पत्ता गोभी का इस्तेमाल हल्के घुटनों के दर्द, सूजन और थकान में राहत देने के लिए किया जा सकता है। आइए जानते हैं इसकी खासियत और उपयोग का तरीका।

पत्ता गोभी सच में दर्द कम करता है?

पत्ता गोभी में प्राकृतिक रूप से एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो सूजन को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही, इसमें मौजूद

विटामिन ब, ज्ञ और एंटीऑक्सीडेंट्स घुटनों के दर्द को कम करने में कारगर माने जाते हैं। आचार्य मनीष जी बताते हैं कि यह उपाय किसी मेडिकल इलाज का विकल्प नहीं है, लेकिन हल्के दर्द और सूजन में आराम देने के लिए उपयोगी है। विशेषकर आर्थराइटिस से पीड़ित लोगों के लिए यह फायदेमंद हो सकता है।

पत्ता गोभी की ठंडी पट्टी कैसे बनाएं?

फ्रेश और साफ पत्ता गोभी के बड़े पत्ते लें।

इन्हें अच्छी तरह धोकर सुखा लें।

बेलन या किसी भारी चीज से पत्तों को हल्का दबाएं, ताकि उनका रस निकलने लगे।

पत्तों को 30 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें।

अब ठंडे पत्तों को घुटनों पर रखें और हल्के कपड़े या बैंडेज से बांधें।

दिन में 3 बार ऐसा करने से राहत मिल सकती है।

कब कर सकते हैं इसका इस्तेमाल?

घुटनों में सूजन होने पर

एक्सरसाइज के बाद होने वाले दर्द में

लंबे समय तक खड़े रहने के बाद दर्द कम करने के लिए।

ध्यान रखें इन बातों पर

अगर दर्द बहुत ज्यादा है या लंबे समय से बना हुआ है, तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

पट्टी लगाने के बाद अगर एलर्जी या जलन महसूस हो तो तुरंत हटा दें।

एक ही पत्ता इस्तेमाल न करें, कई पत्तों का उपयोग करना बेहतर है।

पत्ता गोभी की ठंडी पट्टी एक सरल और प्राकृतिक उपाय है, जो हल्के घुटनों के दर्द और सूजन में आराम दे सकता है। हालांकि, गंभीर दर्द या लगातार समस्या होने पर पेशेवर चिकित्सक से सलाह लेना जरूरी है।

दूध से जुड़े इन मिथकों को कहीं आप भी तो नहीं मानते हैं सच, डॉक्टर से जान लें हकीकत

दूध को लेकर हमारे समाज में कई तरह के मिथक हैं, बहुत से लोग इन मिथकों को मानकर या तो इसका गलत सेवन कर रहे हैं या पूरी तरह से छोड़ दिए हैं। इसलिए आइए इस लेख में कुछ प्रचलित मिथकों की सच्चाई के बारे में विस्तार से विस्तार से जानते हैं। दूध को लेकर हमारे समाज में सदियों से कई तरह की धारणाएं बनी हुई हैं। कुछ लोग इसे 'अमृत' मानते हैं, तो वहीं सोशल मीडिया के दौर में अब कई लोग इसे बीमारियों की जड़ बताने लगे हैं। इसी भ्रम को दूर करने के लिए फेमश डॉक्टर शालिनी सिंह सोलंकी ने एक विशेष वीडियो साझा कर दूध से जुड़े कुछ बड़े मिथकों की हकीकत बताई है। डॉक्टर का कहना है कि दूध आपकी सेहत बना भी सकता है और बिगाड़ भी सकता है, यह पूरी तरह इस बात पर निर्भर करता है कि आप इसका सेवन कैसे और किस रूप में कर रहे हैं। अक्सर लोग दूध को 'संपूर्ण आहार' मानकर इसका सेवन करते हैं या फिर इसे डायबिटीज और सूजन बढ़ाने वाला मानकर पूरी तरह बंद कर देते हैं। लेकिन वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सच्चाई इसके काफी उलट है। दूध के पोषक तत्व जैसे कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन इ12 शरीर के लिए अनिवार्य हैं, बशर्ते आप दूध की गुणवत्ता और अपनी शारीरिक जरूरतों को समझें। इसलिए आइए इस लेख में दूध से जुड़े उन भ्रमों के बारे में जानते हैं, जिसे कुछ लोग सच मानते हैं।

क्या दूध वास्तव में एक संपूर्ण भोजन है?

सबसे बड़ा भ्रम यह है कि दूध एक 'संपूर्ण भोजन' है। डॉक्टर शालिनी के अनुसार यह पूरी तरह सच नहीं है। हालांकि दूध में प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन इ12 प्रचुर मात्रा में होता है, लेकिन इसमें आयरन, फाइबर और विटामिन-सी जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की कमी होती है। इसलिए संतुलित भोजन को छोड़कर केवल दूध पर निर्भर रहना शरीर में पोषण संबंधी कमी पैदा कर सकता है। दूध आहार का एक हिस्सा हो सकता है, लेकिन यह संपूर्ण भोजन का विकल्प नहीं है।

क्या दूध पीने से बढ़ता है शुगर लेवल?

डायबिटीज के मरीजों में यह डर रहता है कि दूध पीने से 'शुगर स्पाइक' होगा। हकीकत यह है कि दूध में मौजूद प्रोटीन और हेल्दी फैट्स की अच्छी मात्रा शुगर के अवशोषण को धीमा कर देती है, जिससे अचानक शुगर नहीं बढ़ती। समस्या तब होती है जब लोग मिलावटी या अत्यधिक हाई फैट वाला दूध पीते हैं। अगर दूध शुद्ध है और फैट संतुलित है, तो यह शुगर के लिए सुरक्षित है।

हल्दी और काली मिर्च वाला दूध?

अक्सर माना जाता है कि दूध हमेशा हल्दी और काली मिर्च के साथ ही पीना चाहिए। डॉक्टर इसे एक बड़ा मिथक बताती हैं। उनके अनुसार, हल्दी वाला दूध केवल तभी फायदेमंद है जब शरीर में सूजन हो या किसी विशेषज्ञ ने इसकी सलाह दी हो। बिना कारण रोजाना औषधीय मसालों का अधिक सेवन हर किसी के लिए जरूरी या सही नहीं होता है।

मिलावट और फैट का सही चुनाव है असली चुनौती

यह समझना जरूरी है कि दूध अपने आप में डायबिटीज या सूजन नहीं बढ़ाता। असली समस्या मिलावट और अधिक फैट की है। अगर आप मिलावटी या अत्यधिक फैट वाला दूध लेते हैं, तो यह मोटापे और पाचन संबंधी समस्याओं का कारण बन सकता है। डॉक्टर शालिनी की सलाह है कि दूध को मॉडरेशन में पिएं और कोशिश करें कि रात में सोने से पहले दूध जरूर लें इससे अच्छी नींद आती है।

अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस पर राष्ट्रीय वानिकी संवाद,सीएम करेंगे शुभारंभ

लखनऊ (संवाददाता)। अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के मौके पर शानिवार को उत्तर प्रदेश में वनों के संरक्षण, विकास और अर्थव्यवस्था में उनकी भूमिका को लेकर बड़ा आयोजन किया जा रहा है। राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में अरण्य समागमरूराष्ट्रीय वानिकी संवाद नाम से एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित होगी, जिसका शुभारंभ मुख्यमंत्री सुबह 10 बजे करेंगे। इस कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, विशेषज्ञ और देशभर से आए वनाधिकारी हिस्सा लेंगे। कार्यशाला का उद्देश्य वनों को लेकर जागरूकता बढ़ाना और उन्हें जन आंदोलन का रूप देना है। कार्यशाला का मुख्य विषय वन एवं अर्थव्यवस्थाऐ रखा गया है। इसमें वानिकी क्षेत्र में किए जा रहे नवाचार, वन प्रबंधन का आधुनिकीकरण, डिजिटलीकरण और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के उपायों पर चर्चा होगी। साथ ही, कैम्पा फंड के प्रभावी उपयोग और वन्यजीव संरक्षण के उपायों पर भी विशेषज्ञ अपने विचार साझा करेंगे। विशेषज्ञों के अनुसार वन केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में ही नहीं, बल्कि रोजगार, आजीविका और उद्योगों के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कब होगी गौतम गंभीर की एआई-डीपफेक याचिका पर सुनवाई? दिल्ली हाईकोर्ट ने तय की तारीख

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गौतम गंभीर की एआई-डीपफेक के खिलाफ दायर की गई याचिका पर सुनवाई के लिए अगली तारीख 23 मार्च तय की है। आइये पूरा मामला जानते हैं दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा की मांग वाली याचिका पर सुनवाई टाल दी है। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 23 मार्च की तारीख तय की है। हाईकोर्ट ने गौतम गंभीर के वकील से कहा है कि याचिका में जो कमियां है उसे सुधार कर लाएं।

एआई-डीपफेक के खिलाफ सख्त कोच गंभीर गौतम गंभीर ने 19 मार्च को दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। याचिका में उन्होंने कहा था कि उनकी अनुमति के बिना उनके नाम, उनकी आवाज उनकी तस्वीर का वाणीज्यिक रूप से गलत इस्तेमाल हो रहा है। इसके लिए डीप फेक, एआई मैनिपुलेशन जैसी तकनीकों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। गौतम गंभीर के वकील ने कहा कि उनके क्लाइंट का डीप फेक वीडियो बनाकर उसका गलत इस्तेमाल सोशल मीडिया पर व्यूज बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। वीडियो में वह बयान में दिखाए जा रहे हैं जो गंभीर ने कभी दिए ही नहीं। गंभीर के इस्तीफा देने का भी एक एआई वीडियो डाला गया जिसने कुछ ही समय मे 29 लाख व्यूज हासिल कर लिया । ये गरिमा का सवाल है। गंभीर की तरफ से कहा गया है उनके 1.2 करोड से ज्यादा फॉलोअर हैं जबकि एक्स (पहले ट्विटर) पर ही इस तरह की फेक खबरे फैलाई जा रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फैलाया जा रहा झूठ गंभीर की लीगल टीम ने दायर याचिका में कहा था कि 2025 के आखिर से गौतम गंभीर की लीगल टीम ने इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब, और फेसबुक पर नकली डिजिटल कंटेंट में तेजी से और चिंताजनक वृद्धि देखी। कई अकाउंट्स ने असली वीडियो बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फेस-स्वैपिंग और वॉइस-क्लोनिंग तकनीक का इस्तेमाल किया, जिसमें गंभीर को ऐसे बयान देते हुए गलत तरीके से दिखाया गया जो उन्होंने कभी दिए ही नहीं। इसमें एक नकली इस्तीफे की घोषणा भी शामिल थी, जिसे 29 लाख से ज्यादा बार देखा गया। एक नकली क्लिप जिसमें उन्हें सीनियर क्रिकेटरों के विश्व कप में हिस्सा लेने के बारे में टिप्पणी करते हुए दिखाया गया था, इसे 17 लाख से ज्यादा बार देखा गया। यह मुकदमा 16 डिफेंडेंट के खिलाफ दायर किया गया है। इसमें कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स जैसे जैनकी फ्रेम्स, भूपेंद्र पेंटोला, लीजेंड्स रेवोल्यूशन, आदि शामिल हैं। इसके अलावा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म में ऐमेजॉन और फ्लिपकार्ट का नाम है। वहीं टेक कंपनियों में मेटा प्लेटफॉर्म, एक्स, गूगल, यूट्यूब, आदि शामिल हैं। साथ ही आईटी मंत्रालय और दूरसंचार विभाग को भी शामिल किया गया है, जो किसी भी कोर्ट ऑर्डर को लागू करने में मदद के लिए प्रोफार्मा पार्टी हैं। गंभीर ने मांगा हजार्ना गंभीर ने 2.5 करोड़ हजार्ना, सभी अकाउंट्स को हटाने, परमानेंट रोक लगाने और सभी उल्लंघन करने वाले कंटेंट को हटाने की मांग की है। उन्होंने भविष्य में अपना नाम, चेहरा और आवाज का इस्तेमाल नहीं किए जाने की मांग कोर्ट से की है। इस मामले में उन्होंने कोर्ट से जल्द कार्रवाई करने का अनुरोध किया था।

फिर मैदान पर नजर आएंग सचिन-युवराज और गेल जैसे दिग्गज

नई दिल्ली। सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंह जैसे खिलाड़ी एक बार फिर मैदान पर नजर आएंगे। अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग का दूसरा संस्करण इस साल अक्तूबर में शुरू होगा। क्रिकेट प्रशंसकों के लिए बहुत बड़ी खुशखबरी है। सचिन तेंदुलकर, ब्रायन लारा, युवराज सिंह, शेन वाटसन, क्रिस गेल और कुमार संगकारा जैसे

धुरंधर एक बार फिर मैदान पर वापसी करेंगे। दिग्गज खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग (आईएमएल) के दूसरे संस्करण में खेलते देखा जा सकेगा। कब होगी टूनार्मेंट की शुरूआत? 24 अक्तूबर से 14 नवंबर तक होने वाले इस टूनार्मेंट के मुकाबले मुंबई, वडोदरा और विशाखापत्तनम में खेले जाएंगे। लीग के कमिश्नर सुनील गावस्कर ने कहा, 'आईएमएल के पहले सत्र ने साबित कर दिया कि दिग्गज क्रिकेटरों का जादू अभी भी प्रशंसकों के सिर चढकर बोलता है। दूसरे सत्र में फोकस उस अनुभव को बेहतरीन प्रतिस्पर्धा, यादगार पलों और खेल के लिए उसी जुनून से जोड़ने पर रहेगा।' दूसरे सत्र में छह फ्रेंचाइजी टीमें भारत, आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और श्रीलंका की होंगी।

शाहीन अफरीदी को प्लेइंग-11 में नहीं रखना चाहिए, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने क्यों कहा ऐसा?

कराची। राशिद लतीफ ने पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि शाहीन को पाकिस्तानी टी20 टीम की प्लेइंग-11 में जगह तक नहीं मिलनी

चाहिए। शाहीन को हाल ही में पाकिस्तान वनडे टीम का कप्तान बनाया गया है। हालांकि, उनकी कप्तानी में पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि शाहीन पाकिस्तान की टी20 टीम में प्लेइंग-11 में जगह पाने के हकदार नहीं हैं। शाहीन खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं और टी20 विश्वकप के दौरान उनकी जमकर पिटाई हुई थी। इसके बाद फैंस और क्रिकेट विशेषज्ञों ने उनकी खूब आलोचना की थी। वहीं, हाल ही में बांग्लादेश दौरे पर उन्हें वनडे टीम का कप्तान भी बनाया गया, लेकिन इस सीरीज में भी उनकी गेंद पर खूब रन बने। पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश से तीन मैचों की सीरीज में 2-1 से हार गई। लतीफ ने की शाहीन की आलोचना लतीफ को लगता है कि टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन के बावजूद शाहीन को टी20 कप्तान बनाने के लिए भी साजिश रची जा रही है। हालांकि, लतीफ इसके खिलाफ थे और उन्होंने कहा कि शाहीन को तो टी20 प्लेइंग-11 में जगह तक नहीं मिलनी चाहिए। लतीफ ने कहा, 'अब सभी कह रहे हैं कि शाहीन को वनडे कप्तान नहीं बनाना चाहिए था। मैं तो कहता हूं कि वह तो टी20 टीम में भी जगह बनाने के लायक नहीं हैं। लोग अब कह रहे हैं कि टी20 विश्वकप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद शाहीन को टी20 टीम का कप्तान बनाना चाहिए।' 'अब शाहीन का समय खत्म हो चुका' लतीफ ने कहा, 'मैं मानता हूं कि ऐसा पहले होना चाहिए था। पर अब वह टी20 टीम में जगह पाने की काबिलियत नहीं रखते। लोग साजिश रच रहे हैं, कैंपेन बना रहे हैं कि कैसे शाहीन को वनडे की जगह टी20 में कप्तान बनाया जाए। वह तो टीम में जगह बनाने लायक नहीं हैं। उनका समय अब खत्म हो चुका है।' शाहिद अफरीदी ने चयनकताओं को घेरा था इससे पहले शाहिद अफरीदी ने बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में हार के बाद देश की चयन समिति पर जमकर निशाना साधा था और इसके लिए सीधे तौर पर उन्हें जिम्मेदार ठहराया था। अफरीदी ने पीसीबी के चयनकताओं की कड़ी आलोचना करते हुए टीम के खराब प्रदर्शन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'आपने 2026 टी20 वर्ल्ड कप में प्रदर्शन देखा और उसके बाद हम बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज 2-1 से हार गए। मेरी नजर में चयन समिति आलोचना की हकदार है। आप सभी ने इतना क्रिकेट खेला है, फिर भी आपको यह समझ नहीं आ रहा कि किस फॉर्मेट में किसे कप्तान बनाना चाहिए।' टीम चयन को लेकर शाहिद ने उठाए थे सवाल अफरीदी ने आगे कहा, 'आप टीम की सर्जरी के नाम पर बहुत ज्यादा फैसले ले रहे हैं। आप ऐसे युवा खिलाड़ियों को चुन रहे हैं, जिन्होंने मुश्किल से कुछ फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं। आपका घरेलू क्रिकेट भी उस स्तर का नहीं है कि लगातार ऐसे खिलाड़ी तैयार कर सके, जो पाकिस्तान टीम में अपनी जगह पक्की कर सकें।'

संभावित खिलाड़ियों की तलाश आईपीएल से होगी? चयनकताओं की रहेगी नजरें

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 की शुरूआत होने जा रही है। चयनकताओं की नजरें इस दौरान अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप के लिए संभावित खिलाड़ियों के चयन पर रहेगी। वनडे विश्व कप को होने में अभी एक साल से अधिक का समय शेष है, लेकिन भारत ने इसके लिए अभी से कमर कस ली है। भारत के 20 संभावित खिलाड़ियों का अनुमान लगाया जा चुका है और पांचों राष्ट्रीय चयनकर्ता 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल में इन खिलाड़ियों पर नजर रखेंगे। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयनकर्ता समिति में एसएस दास, आरपी सिंह, अजय रात्रा और प्रज्ञान ओझा शामिल हैं। विश्व कप की मेजबानी दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया करेंगे और ये टूनार्मेंट अगले साल अक्तूबर-नवंबर में होगा। चयन समिति के सदस्य अपने-अपने बेस में मैचों के दौरान मौजूद रहेंगे, जबकि बाकी मैच टीवी पर देखेंगे। आईपीएल के पहले मैच में गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। अगरकर ने नहीं मांगा विस्तार न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, सीनियर अधिकारियों ने इस बात को खारिज किया है कि अगरकर ने वनडे विश्व कप तक अपने कार्यकाल का विस्तार मांगा है। बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा, चयन समिति बीसीसीआई की एक उप समिति है और चयनकताओं का अनुबंध इस साल सितंबर तक है। अगरकर का करार सितंबर में खत्म हो रहा है जिसके बाद बीसीसीआई सचिव और अगरकर तय करेंगे कि वह अगले साल वनडे विश्व कप तक रहेंगे या नहीं। एक सीनियर चयनकर्ता चार साल तक पद पर रह सकता है और उसे करार बढ़ाने का अनुरोध करने की जरूरत नहीं है। अगरकर ने जुलाई 2023 में मुख्य चयनकर्ता का पद संभाला था। उन्होंने विराट कोहली तथा रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों के संन्यास के बाद टेस्ट और टी20 में बदलाव का दौर देखा है। अगरकर मुंबई में रहते हैं, जबकि दास कोलकाता के रहने वाले हैं। आर पी और रात्रा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहते हैं, जबकि ओझा अपने हिस्से के आईपीएल मैच बेंगलुरू और हैदराबाद में देखेंगे। अफगानिस्तान के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ टीम उतरेगा भारत टी20 विश्व कप 2028 और उसी साल ओलंपिक को देखते हुए इस साल आईपीएल में उन 20 खिलाड़ियों को तलाशने पर नजर होगी जो 50 ओवरों का विश्व कप खेलेंगे। चयन समिति मुल्लांपुर में छह से 10 जून तक अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए भी सर्वश्रेष्ठ टीम उतारेगी हालांकि इस मैच

से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अंक नहीं मिलने हैं। 50 ओवर प्रारूप के संभावित खिलाड़ी नजर में है और उनके प्रदर्शन तथा फिटनेस की देखरेख इस साल आईपीएल में की जाएगी। समझा जाता है कि तेज गेंदबाज हर्षित राणा को फिट होने के लिए समय लगेगा। वनडे के लिए अन्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या हैं।

न्यूजीलैंड ने तीसरे टी20 में दक्षिण अफ्रीका को आठ विकेट से हराया, सीरीज में बनाई 2-1 की बढ़त

नई दिल्ली। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका नौ विकेट पर 136 रन बना सकी थी। न्यूजीलैंड टीम ने दो विकेट के नुकसान पर 16.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को तीसरे टी20 मुकाबले में आठ विकेट से हराकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। ईडन पार्क में खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड को जीत के लिए 137 रन का लक्ष्य मिला था

जिसे टीम ने दो विकेट के नुकसान पर 16.2 ओवर में हासिल कर लिया। 137 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरूआत अच्छी रही थी। पहले विकेट के लिए डेवोन कॉन्वे और टॉम लाथम ने 11 ओवर में 96 रन की साझेदारी की। कोनवे 26 गेंदों पर दो छक्कों और चार चौकों की मदद से 39 रन बनाकर केशव महाराज का शिकार बने। इसके बाद लाथम ने टिम रॉबिनसन के साथ दूसरे विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी की। जीत के लिए जब एक रन की आवश्यकता थी, उसी समय रॉबिनसन एल सिपाम्ला का शिकार हो गए। रॉबिनसन 17 गेंदों पर 17 रन बनाकर आउट हुए। टॉम लाथम नाबाद रहे। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज 55 गेंद पर 63 रन बनाकर और अपनी टीम को जीत दिलाकर वापस लौटा। उनके साथ निक केली एक रन बनाकर नाबाद लौटे। न्यूजीलैंड ने 16.2 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 137 रन बनाकर मैच आठ विकेट से जीत लिया। इससे पहले, टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका नौ विकेट पर 136 रन बना सकी थी। टीम का शीर्ष क्रम पूरी तरह बिखर गया था। दसवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए एन मोकोएना 20 गेंदों पर तीन छक्कों और एक चौके की मदद से 26 रन बनाकर श्रेष्ठ स्कोरर रहे थे। जॉर्ज लिंडे ने 23 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड के लिए काइल जेमीसन, कप्तान सैंटनर, और बेंजामिन सियर्स ने दो-दो और लोकी फर्ग्यूसन, कोले मोकोंची और जेम्स नीशम ने एक-एक विकेट लिए थे। चार ओवर में नौ रन देकर एक विकेट लेने वाले लोकी फर्ग्यूसन प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

स्टार्क-हेजलवुड टूनार्मेंट के शुरूआती दौर से रह सकते हैं बाहर

नई दिल्ली। मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड भी अपनी-अपनी टीमों से नहीं जुड़े हैं और बताया जा रहा है कि आईपीएल के शुरूआती कुछ मुकाबलों में नहीं खेल सकेंगे। आईपीएल 2026 का सीजन शुरू होने से पहले टीमों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड आईपीएल के शुरूआती दौर से बाहर रह सकते हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए इन स्टार तेज गेंदबाजों के वर्कलोड को देख रही है, इसलिए इन दोनों का शुरूआती कुछ मैच में अपनी टीमों के लिए खेलना मुश्किल है। कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी टीमों से नहीं जुड़े स्टार्क आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स और हेजलवुड रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का प्रतिनिधित्व करते हैं। स्टार्क और हेजलवुड के अलावा अन्य कई ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर भी आईपीएल 2026 के पूरे सीजन में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। इससे पहले, सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस और जैक एडवर्ड्स भी टूनार्मेंट के शुरूआती दौर से बाहर हो गए थे। वहीं, चेन्नई सुपर किंग्स के नाथन एलिस भी हैमस्ट्रिंग चोट के कारण आईपीएल से बाहर हो गए हैं। व्यस्त है ऑस्ट्रेलिया का अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर ऑस्ट्रेलिया को अगले एक साल में 21 टेस्ट खेलने हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड का दौरा करेगी, जबकि 2027 में वनडे विश्व कप होना है। स्टार्क ने पांचों एशेज टेस्ट खेले और बिग बैश लीग में भी हिस्सा नहीं लिया।टी20 क्रिकेट से संन्यास के कारण वह विश्व कप का हिस्सा नहीं थे। ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ता टोनी डोडेमेड ने कहा कि कमिंस और हेजलवुड की उपलब्धता टाइमिंग का मसला है। उन्होंने कहा, अगर इसका उलटा होता, आईपीएल पहले और विश्व कप बाद में होता तो वे विश्व कप खेलने के लिए पूरे आईपीएल से बाहर रहते। हम जानते हैं कि वे ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना और जीतना चाहते हैं। आईपीएल 2026 सीजन की शुरूआत 28 मार्च से हो रही है। इसके लिए खिलाड़ी अपने-अपने टीमों से जुड़ रहे हैं।

आईपीएल का इकलौता विकेटकीपर, जिसने 15 साल पहले एक ही मुकाबले में किए थे पांच शिकार

नई दिल्ली। जिस खिलाड़ी की हम बात कर रहे हैं, वह हैं कुमार संगाकारा। संगकारा के नाम आईपीएल मैच में बतौर विकेटकीपर पांच शिकार करने का रिकॉर्ड है। आइए उस मैच के बारे में जानते हैं... आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है। यह 19वां सीजन होगा। इससे पहले खेले गए 18 सीजन में सिर्फ एक ही विकेटकीपर के नाम एक मैच में पांच शिकार करने का रिकॉर्ड है। आइए, इस खिलाड़ी और मैच के बारे में विस्तार से जानते हैं। 2011 में खेला गया था मैच जिस खिलाड़ी की हम बात कर रहे हैं, वह हैं कुमार संगकारा। संगकारा के नाम आईपीएल मैच में बतौर विकेटकीपर पांच शिकार करने का रिकॉर्ड है। उन्होंने यह कारनामा 14 अप्रैल 2011 को बतौर कप्तान डेक्कन चार्जर्स की ओर से खेलते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ किया था। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2011 के 11वें मुकाबले में डेक्कन चार्जर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट खोकर 175 रन बनाए। इस पारी में भरत चिप्ली ने 35 गेंदों में नाबाद 61 रन की पारी खेली। उनके अलावा सनी सोहेल ने 38 रन और कुमार संगकारा ने 36 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। जेपी डुमिनी ने 22 रन बनाए। विपक्षी खेमे से जहीर खान ने सर्वाधिक तीन विकेट निकाले। जोहान वैन डेर वाथ और रायन निनन ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। आरसीबी को मिली थी हार इसके जवाब में आरसीबी निर्धारित ओवरों में नौ विकेट खोकर 142 रन ही बना सकी। इस टीम के लिए विराट कोहली ने 51 गेंदों में तीन छक्कों और पांच चौकों के साथ 71 रन बनाए, जबकि चेतेश्वर पुजारा ने 25 रन और मयंक अग्रवाल ने 16 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इनके अलावा, कोई अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सका। संगकारा ने लिए थे पांच कैच इस बीच कुमार संगकारा ने तिलकरत्ने दिलशान (7), एबी डिविलियर्स (0), सौरभ तिवारी (7), जोहान वैन डेर वाथ (0) और रायन निनन (3) को विकेट के पीछे कैच आउट किया।

आईपीएल से पहले केकेआर के लिए राहत की खबर, ये स्टार तेज गेंदबाज फिट घोषित; क्या जल्द टीम से जुड़ेंगे?

नई दिल्ली। श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना ने अपना रिहैब पूरा कर लिया है और उन्हें आईपीएल में खेलने की मंजूरी मिल गई है। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए ये राहत की खबर है क्योंकि टीम पहले से ही खिलाड़ियों की चोट के कारण मुश्किल में है। आईपीएल 2026 सीजन से पहले तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए राहत की खबर सामने आई है। टीम के स्टार श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना फिट हो गए हैं और उन्हें टीम से जुड़ने की मंजूरी भी मिल गई है। केकेआर की टीम खिलाड़ियों की चोट से परेशान है, लेकिन पथिराना के फिट होने से उसे राहत जरूर मिली होगी। पथिराना इस सीजन केकेआर के लिए खेलेंगे। पथिराना ने रिहैब पूरा किया श्रीलंका क्रिकेट के सचिव बांदुला दिसानायके ने कहा है कि पथिराना ने अपना रिहैब पूरा कर लिया है और उन्हें आईपीएल में खेलने के लिए हरी झंडी मिल गई है। हालांकि, उन्हें टीम में शामिल करने से पहले केकेआर उनकी तैयारियों को परखेगी। पथिराना को टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के दौरान चोट लगी थी और वह शेष टूनार्मेंट में हिस्सा नहीं ले सके थे। श्रीलंका का सफर सुपर आठ में ही समाप्त हो गया था। दिसानायके ने कहा, 'जहां तक मुझे पता है पथिराना फिट हैं और हमने उन्हें आईपीएल में भाग लेने के लिए एनओसी दे दी है। फिलहाल मेरे पास इतनी ही जानकारी है। उन्होंने रिहैबिलिटेशन पूरा कर लिया है और वे फिट हैं। लेकिन उनकी फिटनेस का आकलन करने का काम फ्रेंचाइजी का होगा। फिलहाल हमें इस बारे में कुछ नहीं पता। जहां तक हमें जानकारी है, वे फिट हैं और आईपीएल में शामिल होने के लिए तैयार हैं।' कब टीम से जुड़ेंगे पथिराना? इस बारे में अभी जानकारी नहीं मिली है कि पथिराना केकेआर से कब जुड़ेंगे। केकेआर का मैच 29 मार्च को मुंबई इंडियंस से होगा और इसके लिए टीम 25 मार्च को मुंबई रवाना होगी। केकेआर को इसके बाद लगातार तीन मैच अपने होम ग्राउंड ईडेन गार्डेंस पर खेलने हैं। केकेआर का मैच दो अप्रैल को सनराइडर्स हैदराबाद, छह अप्रैल को पंजाब किंग्स और नौ अप्रैल को लखनऊ सुपर जाएंट्स से होगा। पथिराना के लिए लगाया था बड़ा दांव केकेआर ने पिछले साल हुई मिनी नीलामी में पथिराना पर बड़ा दांव लगाया था।

प्रिस्क्रिप्शन ऑफ हैप्पीनेस लेखन गतिविधि के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस का आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)।19 एवं 20 मार्च 2026 को अभिव्यक्ति मनोविज्ञान विभाग, नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ द्वारा प्रतिवर्ष 20 मार्च को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस के उपलक्ष्य में एक सार्थक एवं आकर्षक द्विदिवसीय गतिविधि का आयोजन किया गया।इस गतिविधि के अंतर्गत प्रसन्नता को बढ़ावा देने तथा समग्र कल्याण को सुदृढ़ करने से संबंधित विभिन्न दृष्टिकोणों एवं उपायों पर एक विचार-विमर्श सत्र आयोजित किया गया, जिसका संचालन डॉ. सोनल अग्रवाल, डॉ. गगन प्रीत कौर एवं डॉ. सुकन्या तिवारी द्वारा मनोविज्ञान विभाग की सुश्री सुचिता सिंह के सक्रिय सहयोग से किया गया।इस संवादात्मक सत्र के पश्चात छात्राओं से स्वयं के लिए प्रिस्क्रिप्शन ऑफ हैप्पीनेस तैयार करने हेतु कहा गया, जिसमें तनाव एवं विषाद के समय अपनाए जाने वाले व्यावहारिक उपायों एवं सामना करने की तकनीकों का उल्लेख किया गया। प्रत्येक प्रिस्क्रिप्शन में भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने, धैर्यशीलता (रेजिलिएंस) विकसित करने तथा सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य व्यवहारों को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक साधनों एवं तंत्रों को सम्मिलित किया गया।यह गतिविधि अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुई

हरा सूट, हरी-हरी चूड़ियां और हाथों में पिया के नाम की मेहंदी..

हिना खान ने शुरू की ईद की तैयारियां

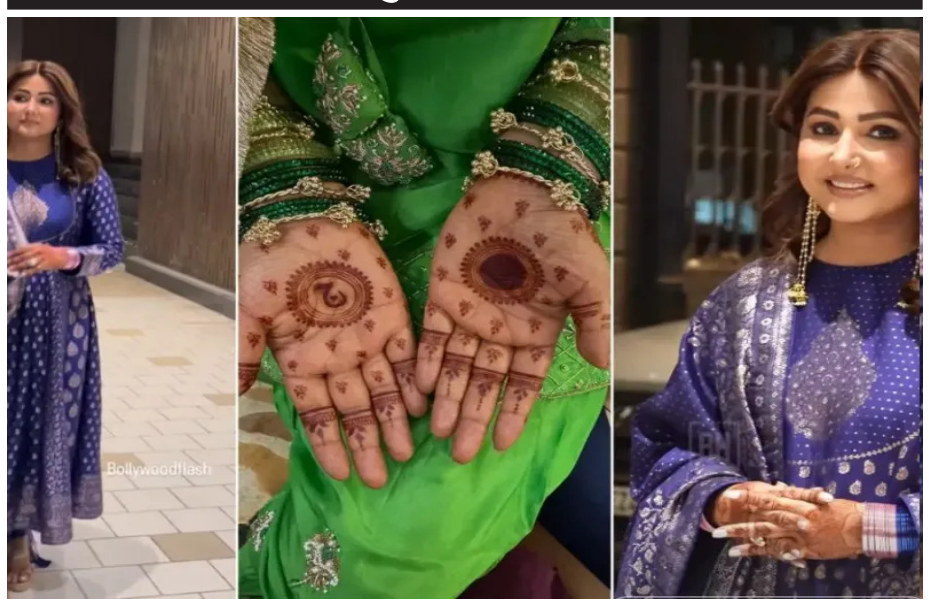

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस हिना खान ने ईद के खास मौके की तैयारियां शुरू कर दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस को अपनी फेस्टिव तैयारियों की खूबसूरत झलक दिखाई, जो तेजी से वायरल हो रही है। हिना खान ने अपनी पोस्ट में पारंपरिक कपड़े, ज्वेलरी और एक्सेसरीज के साथ अपनी तैयारियों की झलक शेयर की। तस्वीरों में उनका ट्रेडिशनल लुक बेहद आकर्षक नजर आ रहा है। इन तस्वीरों की सबसे खास बात उनकी मेहंदी रही। हिना ने अपनी मेहंदी में अपने पति रॉकी जायसवाल का नाम उर्दू में शामिल किया है। एक तस्वीर में वह अपने हाथ दिखाती नजर आ रही हैं, जिसमें खूबसूरत डिजाइन के साथ उनके और रॉकी के नाम के अक्षर उकेरे गए हैं। तस्वीरों में हिना खान ग्रीन कलर के पारंपरिक आउटफिट में नजर आईं, जिसे उन्होंने मैचिंग चूड़ियों और ज्वेलरी के साथ स्टाइल किया। इसके अलावा उन्होंने ब्लू ट्रेडिशनल ड्रेस में भी कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनका फेस्टिव अंदाज साफ झलक रहा है। मालूम हो, हिना खान और रॉकी जायसवाल अलग-अलग धर्मों से आते हैं, लेकिन दोनों एक-दूसरे की आस्था और परंपराओं का सम्मान करते हैं। दोनों की मुलाकात टीवी शो ये रिश्ता क्या कहलाता है के सेट पर हुई थी, जहां हिना लीड रोल में थीं और रॉकी लाइन प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़े थे।

मनीष मल्होत्रा की मां के अंतिम संस्कार में शामिल हुए करण जौहर

उर्मिला से लेकर रकुत तक ने दी आखिरी विदाई

फैशन इंडस्ट्री के मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के लिए यह समय बेहद दुखद है। उनकी मां का हाल ही में 94 वर्ष की उम्र में निधन हो गया, जिसके बाद पूरे बॉलीवुड में शोक की लहर दौड़ गई। आज मुंबई के सांताक्रूज स्थित श्मशान घाट में उनकी मां का अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान फिल्म

इंडस्ट्री के कई बड़े सितारे उन्हें अंतिम दर्शन करने पहुंचे और मनीष मल्होत्रा को इस कठिन समय में अपना समर्थन दिया। मनीष मल्होत्रा की मां की अंतिम यात्रा में करण जौहर शामिल हुए, जो मनीष मल्होत्रा के बेहद करीबी माने जाते हैं। इसके अलावा उर्मिला मातोंडकर, रकुल प्रीत, जैकी भगनानी, डेविड धवन और फातिमा सना शेख जैसे कई सितारे भी अंतिम विदाई देने पहुंचे। इससे पहले भी कई फिल्मी हस्तियों ने मनीष मल्होत्रा के घर जाकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की थीं। अभिषेक बच्चन-ऐश्वर्या राय और विक्की कौशल-कियारा आडवाणी दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़े नजर आए थे। मनीष मल्होत्रा बॉलीवुड के सबसे नामी डिजाइनरों में गिने जाते हैं और उनका इंडस्ट्री में एक खास स्थान है। ऐसे में उनकी मां के निधन की खबर से फिल्म जगत के कई लोग भावुक हो गए और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

बिकिनी फोटोज के लिए ट्रोल हुई आरती सिंह का हेटर्स को मुंहफट जवाब-मेरा शरीर है और कपड़े भी मेरी अपनी पसंद के होंगे

टीवी एक्ट्रेस आरती सिंह सोशल मीडिया की दुनिया में काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने पति दीपक चौहान संग रोमांटिक और बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में आरती ने अपने थाइलैंड वेकेशन से अपने बिकिनी लुक की कुछ तस्वीरें शेयर की थीं, लेकिन कई यूजर्स उन्हें इन तस्वीरों के लिए ट्रोल करने लग गए। वहीं, हेटर्स के कमेंट्स से तंग आकर एक्ट्रेस ने अपनी चुप्पी तोड़ी और इस ट्रोलिंग का करारा जवाब दिया है। दरअसल, आरती सिंह ने बिकिनी फोटोज पर यूजर्स के हेट कमेंट्स से परेशान होकर पोस्ट डिलीट कर दिया था, लेकिन बाद में उन्होंने नई बिकिनी फोटोज पोस्ट कर ट्रोलर्स को जवाब दिया। आरती सिंह ने अपने नए पोस्ट में ट्रोलर्स की बोलती बंद करते हुए लिखा-मेरी जिंदगी, मेरे रूल्स. मेरा शरीर है और कपड़े भी मेरी अपनी पसंद के होंगे। हम हमेशा सोचते रहते हैं कि लोग क्या कहेंगे, लेकिन ऐसा सोचते-सोचते एक दिन जिंदगी के किसी मोड़ पर हमें लगेगा कि जो दिल चाहता था, वही करना चाहिए था और जिन लोगों के बारे में हम सोचते है, वो तो हमें जानते भी नहीं। आरती यहीं नहीं रुकीं, उन्होंने आगे लिखा, पिछली बार जब मैंने बिकिनी में कुछ तस्वीरें पोस्ट की थी, तो देखा कि कुछ लोगों ने मुझे अनफॉलो कर दिया। मैं मानती हूं कि इसका असर मुझ पर पड़ा और मैंने वो तस्वीरें डिलीट कर द,

लेकिन कुछ दिनों बाद मेरी प्यारी दोस्त शेफाली का निधन हो गया। तब मुझे एहसास हुआ कि जिंदगी कितनी अनप्रेडिक्टेबल है। हम वही क्यों नहीं करते जो हमें सच में खुश करता है? मैं किसी को दुख नहीं पहुंचा रही हूं, तो अगर आपको पसंद नहीं है तो बेझिझक अनफॉलो कर दीजिए और कमेंट में कुछ भी लिखिए। इससे बस आपकी परवरिश नजर आती है, मेरे कपड़ों से नहीं। जो मुझसे सच में प्यार करते हैं, वो मुझे वैसे ही अपनाएंगे जैसी मैं हूं। बस अपनी जिंदगी जियो, खुश रहो और किसी को तकलीफ मत दो। शेयर किए गए इस पोस्ट में आरती सिंह बोल्ड अंदाज में अपने पति दीपक संग नजर आ रही हैं। दोनों पानी के बीचों-बीच खूब एंजॉय करते दिख रहे हैं। कई तस्वीरों में दोनों का रोमांटिक अंदाज भी देखने को मिल रहा है। वहीं, आरती सिंह इस दौरान पिंक बिकिनी में बेहद हॉट लग रही हैं। आरती का ये पोस्ट अब सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गया है और कई फैंस उनकी बात के साथ सहमति जता रहे हैं और तस्वीरों को जमकर लाइक कर रहे हैं। बता दें, आरती सिंह इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं और सुपरस्टारगोविंदा की भांजी है। साल 2007 में मायका सीरियल से करियर की शुरूआत के बाद आरती कई सुपरहिट सीरियल्स में नजर आ चुकी है।

8 घंटे की शिफ्ट के मुद्दे पर दिव्या दत्ता ने दी राय, कहा- किसी नियम को सभी पर लागू नहीं किया जा सकता

बॉलीवुड में 8 घंटे की शिफ्ट का मुद्दा कोई नया नही है। पिछले साल से अक्सर इस मुद्दे पर बहस होती रहती हैं। वहीं, हाल ही में अब इस मुद्दे पर एक्ट्रेस दिव्या दत्ता ने भी अपनी राय रखी है। उन्होंने इस पूरे विवाद पर संतुलित नजरिया पेश करते हुए कहा कि किसी भी स्थिति को एक ही नजरिए से नहीं देखा जा सकता। एक इंटरव्यू के दौरान दिव्या दत्ता से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर चल रही बहस पर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति की परिस्थितियां अलग होती हैं, इसलिए किसी एक नियम को सभी पर लागू नहीं किया जा सकता। उन्होंने एक कार्यक्रम का जिक्र करते हुए बताया कि वहां एक महिला महिला अधिकारों पर बात कर रही थीं, लेकिन उसी दौरान कुछ हद तक पुरुषों को दोष देने वाली बातें भी हो रही थीं। इस पर एक व्यक्ति ने खड़े होकर कहा कि वह उनकी बात से सहमत है, लेकिन यह स्पष्ट होना चाहिए कि यह किसके लिए कहा जा रहा है। दिव्या दत्ता ने आगे कहा कि जो बात एक व्यक्ति के लिए सही हो सकती है, जरूरी नहीं कि वह दूसरे के लिए भी सही हो। उन्होंने कहा कि किसी दूसरे के काम या निजी स्थिति पर टिप्पणी करना ठीक नहीं है, क्योंकि हर किसी की अपनी परिस्थितियां होती हैं। एक्ट्रेस ने यह भी साफ किया कि काम के घंटे तय करना एक्टर और प्रोड्यूसर के बीच की समझ का मामला है। अगर किसी कलाकार को जल्दी जाना है और निर्देशक या प्रोड्यूसर इसके लिए सहमत हैं, तो इसमें कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर दोनों की सोच मेल नहीं खाती, तो वे साथ काम न करने का फैसला ले सकते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो दिव्या दत्ता जल्द ही वेब सीरीज चिरैया में नजर आने वाली हैं, जो 20 मार्च 2026 से एक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी। इसके अलावा, वह पिछली बार फिल्म छावा में दिखाई दी थीं, जिसमें उनके साथ विक्की कौशल भी थे। इस ऐतिहासिक फिल्म में उन्होंने सोयराबाई का किरदार निभाया था।

सपना सच होने जैसा, द इंडिया हाउस का हिस्सा बनने पर सई मांजरेकर ने जताई खुशी

राम चरण को लेकर कही ये बात

अभिनेत्री सई मांजरेकर अपनी पैन इंडिया फिल्म द इंडिया हाउस को लेकर काफी काफी उत्साहित हैं। 1905 में प्रेम और क्रांति की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में सई सती की भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर सई का कहना है कि एक हिस्टोरिकल ड्रामा में काम करने का उनका सपना रहा है, जो इस फिल्म के साथ पूरा हो रहा है। म्स ऑफ इंडिया के साथ बातचीत में एक्ट्रेस ने फिल्म को लेकर कहा कि किसी ऐतिहासिक फिल्म

में अभिनय करना हमेशा से मेरा सपना रहा है। जब मुझे पता चला कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं, तभी से मैं एक ऐतिहासिक फिल्म में काम करना चाहती थी। इसलिए यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। 'द इंडिया हाउस' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास और अद्भुत अनुभव है। जब मैंने पहली बार इसकी कहानी सुनी, तो मुझे पता चल गया कि यह सिर्फ एक और फिल्म नहीं है, बल्कि एक ऐसी कहानी है जिसमें भावनाएं, इतिहास और उद्देश्य समाहित हैं। उस दौर के बारे में जानना काफी अच्छा रहा अपने किरदार को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि मेरा किरदार सती का है, और यह एक खूबसूरत भूमिका है। वह दृढ़ इच्छाशक्ति वाली होने के साथ-साथ कोमल और दयालु भी हैं। अपने भीतर इस संतुलन को खोजना एक बेहद यादगार अनुभव रहा। मुझे याद है कि एक सीन के बीच में मैं अक्सर प्लीज या धन्यवाद जैसे शब्द बोल देती थी, जो हम अन्य जॉनर में आसानी से इस्तेमाल करते हैं। फिर मैं माफी मांगती और सीन दोबारा करती। उस दौर के बारे में जानना और लोगों के रहन-सहन, पहनावे और बोलने के तरीके को समझना एक दिलचस्प अनुभव रहा है। इतने समृद्ध इतिहास से घिरे हम्पी में शूटिंग करने से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला। भाग्यशाली हूं इन स्टार्स के साथ काम करने का मौका मिला फिल्म की टीम के साथ काम करने के अनुभव को लेकर सई ने कहा कि राम चरण के पहले प्रोडक्शन में काम करना मेरे लिए सचमुच अनमोल है। वो साउथ इंडस्ट्री के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं। सिनेमा और इसमें शामिल हर व्यक्ति के प्रति उनका सम्मान इस फिल्म के हर पहलू में झलकता है। निखिल सिद्धार्थ और अनुपम खेर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए एक बड़ा सीखने का अनुभव रहा है। इतने प्रतिभाशाली अभिनेताओं के साथ सेट पर रहना आपको हर दिन अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित करता है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मैं एक ऐसी फिल्म का हिस्सा हूं जो प्यार, क्रांति और भारत की भावना का जश्न मनाती है।

'हीरामंडी द डायमंड बाजार' के बाद इस सीरीज में नजर आएंगे ताहा शाह बदुशा करेंगे करण जौहर के साथ काम

यूएई में जन्मे बॉलीवुड अभिनेता ताहा शाह बदुशा अब बहुत प्रसिद्ध हो गए हैं। उन्होंने नेटफ्लिक्स की सीरीज हीरामंडी में नवाब ताजदार का रोल निभाकर अपनी एक अलग पहचान बना ली है। 'हीरामंडी' में उनके किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया। अब वह जल्द ही करण जौहर की एक सीरीज में नजर आने वाले हैं। करण की इस फिल्म में नजर आएंगे ताहा शाह वैरायटी की एक खबर

के अनुसार, अब ताहा शाह बदुशा करण जौहर की कंपनी धर्मा प्रोडक्शन की नई सीरीज 'नजदीकियां' में मुख्य भूमिका निभाएंगे। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। यह सीरीज करण जौहर की पुरानी फिल्म कभी अलविदा ना कहना पर आधारित हो सकती है। उस फिल्म में शाहरुख खान, रानी मुखर्जी, प्रीति जिंटा और अभिषेक बच्चन थे। कैसी होगी सीरीज 'नजदीकियां' नई सीरीज में ताहा शाह बदुशा के साथ परेश पाहुजा, आकांक्षा सिंह और निकिता दत्ता भी मुख्य भूमिकाओं में होंगे। सीरीज की कहानी दो जोड़ों के बारे में है। उनके पति एक-दूसरे के साथ गहरे प्रेम में पड़ जाते हैं। लोग कर्तव्य और खुशी के बीच चुनाव करते हैं। यह सीरीज रुचिर अरुण निर्देशित करेंगे। पटकथा प्रियंका बनर्जी, प्रतीक पयोदी, अभिनंदन श्रीधर और हीम वर्मा ने लिखी है। सीरीज को लेकर उत्साहित हैं ताहा शाह ताहा शाह बदुशा ने कहा, 'आज का दिन मेरे लिए बहुत खास है। पहले मैंने धर्मा की फिल्म गिप्पी में काम किया था। अब करण जौहर के साथ फिर काम करने का मौका मिल रहा है। हीरामंडी के बाद यह नया अनुभव बहुत रोमांचक है। मैं इसका इंतजार कर रहा हूं।' ताहा शाह का करियर ताहा शाह बदुशा ने 2011 में श्रद्धा कपूर के साथ फिल्म लव का द एंड से शुरूआत की थी। उसके बाद उन्होंने ताजः डिवाइडेड बाय ब्लड, रांची डायरीज और पाराेः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ब्राइड स्लेवरी जैसी फिल्में कीं। हीरामंडी के बाद अब नजदीकियां में नजर आएंगे।

पॉलिटेक्निक छात्रों को 6 महीने की औद्योगिक ट्रेनिंग मिलेगी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में तकनीकी शिक्षा और उद्योग के बीच तालमेल मजबूत करने के उद्देश्य से द्वितीय जोनल गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया गया। मेधा और तकनीकी शिक्षा विभाग के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य छात्रों को रोजगार के लिए बेहतर ढंग से तैयार करना था। सम्मेलन की शुरूआत दीप प्रज्वलन और स्वागत संबोधन के साथ हुई। मेधा की राज्य प्रमुख शीबा जोसेफ ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि शिक्षा को सीधे उद्योगों से जोड़ा जाए, ताकि छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त हो सके। सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पैनल चर्चा रही, जिसमें विशेषज्ञों ने पॉलिटेक्निक छात्रों के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। चर्चा के दौरान एक बड़ा निर्णय लिया गया कि अब छात्रों को अंतिम सेमेस्टर में छह महीने तक उद्योगों में प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा। इस पहल से उनकी दक्षता मजबूत होगी और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इस पैनल में सर्वेश्वर शुक्ला, नितिन झाम्ब, सासीधरन टी, आलोक पांडेय सहित लखनऊ और बाराबंकी के पॉलिटेक्निक संस्थानों के प्राचार्यों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि उद्योगों के साथ सीधा जुड़ाव ही छात्रों के भविष्य को सुरक्षित कर सकता है। पैनल चर्चा के उपरांत एक प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उद्योग प्रतिनिधियों और प्राचार्यों के बीच खुली चर्चा हुई। इसके बाद उद्योगों और पॉलिटेक्निक संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापनों (एमओयू) और सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए गए।

सैन्य अभ्यास के दौरान पिता के साथ दिखीं 13 वर्षीय बेटी जू

किम जोंग उन ने हथियार और टैंक भी दिखाए

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन सैन्य अभ्यास के दौरान अपनी 13 वर्षीय बेटी के साथ टैंक की सवारी करते नजर आए। यह सैन्य अभ्यास अमेरिका-दक्षिण कोरिया के बीच जारी संयुक्त सैन्य अभ्यास के बीच हुआ है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन एक बार फिर अपनी बेटी के साथ सार्वजनिक रूप से नजर आए हैं। सरकारी मीडिया ने शुक्रवार को कुछ तस्वीरें जारी कीं, जिनमें किम और उनकी बेटी एक टैंक पर सवार दिखाई दे रहे हैं। यह सैन्य अभ्यास गुरुवार को हुआ था। इससे कुछ दिन पहले ही दोनों को रॉकेट लॉन्च देखते और पिस्तौल से फायरिंग करते हुए देखा गया था। उत्तर कोरिया आधिकारिक समाचार एजेंसी के सीएनए (केसीएनए) ने बताया कि किम जोंग उन ने टैंक यूनिट और पैदल सेना के युद्धाभ्यास का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सेना से युद्ध की तैयारियों को पूरी तरह पुख्ता करने का आह्वान किया। तस्वीरों में किम और उनकी बेटी काले रंग की लेदर जैकेट पहने हुए हैं। वे एक जैतून के हरे रंग के टैंक पर बाकी सैनिकों के साथ बैठे हैं। एक तस्वीर में किम की बेटी टैंक के ऊपरी हिस्से (हैच) से अपना सिर बाहर निकालकर देख रही है, जबकि किम मुस्कुराते हुए टैंक के ऊपर बैठे हैं। किम की बेटी का नाम किम जू ऐ बताया जाता है और उसकी उम्र करीब 13 साल है। वह साल 2022 के अंत से अपने पिता के साथ कई महत्वपूर्ण सैन्य और अन्य बड़े कार्यक्रमों में दिखाई दे रही है। मीडिया में अक्सर ऐसी तस्वीरें आती हैं जो पिता और बेटी के बीच करीबी रिश्ते को दिखाती हैं। पिछले हफ्ते भी दोनों ने एक हथियार कारखाने का दौरा किया था और वहां पिस्तौल से निशाना लगाया था। इसके अलावा उन्होंने कई रॉकेट लॉन्च सिस्टम का परीक्षण भी देखा। पिछले साल सितंबर में वह अपने पिता के साथ बीजिंग भी गई थी। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने पिछले महीने अनुमान लगाया था कि किम जोंग उन अपनी बेटी को उत्तराधिकारी घोषित करने के बहुत करीब हैं। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ इस बात से पूरी तरह सहमत नहीं हैं। उनका तर्क है कि किम जोंग उन अभी काफी युवा हैं। साथ ही उत्तर कोरिया की सत्ता में हमेशा पुरुषों का ही दबदबा रहा है। उत्तर कोरिया का यह सैन्य अभ्यास ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया अपना वार्षिक सैन्य अभ्यास कर रहे हैं। उत्तर कोरिया इन अभ्यासों को अपने देश पर हमले की तैयारी मानता है। अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने गुरुवार को अपना 11 दिनों का कंप्यूटर आधारित अभ्यास खत्म किया है, लेकिन उनका मैदानी प्रशिक्षण अभी भी जारी है।

कतर की मदद से सुरक्षित घर पहुंचा परमिंदर, युद्ध के बीच हुआ ब्रेन स्ट्रोक; मुश्किल में थी जान

दोहा (एजेंसी)। युद्ध के चलते कतर में फंसा एक भारतीय युवक सुरक्षित अपने घर पहुंच गया है। दरअसल कतर में फंसे होने के दौरान युवक को ब्रेन स्ट्रोक हुआ, जिसके बाद भारतीय दूतावास और सिख संगठनों ने मिलकर युवक को सुरक्षित घ? पश्चिम एशिया संकट के चलते खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में लोग फंसे हुए हैं। ऐसे मुश्किल समय में कतर में एक भारतीय नागरिक परमिंदर को ब्रेन स्ट्रोक आ गया, जिससे उसकी जान पर बन आई। एक तो पराया देश और ऊपर से जानलेवा खतरा, लेकिन इस मुश्किल घड़ी में मानवता की मिसाल पेश करते हुए लोगों ने परमिंदर की मदद की। भारतीय दूतावास ने भी मदद दी और बाद में कतर सरकार के सहयोग से परमिंदर सुरक्षित स्वदेश लौट आया है। कनाडा जाते हुए कतर में फंसा युवक भारतीय युवक परमिंदर कनाडा जा रहा था, लेकिन पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के

चलते उसकी यात्रा बाधित हो गई और वह कतर में फंस गया। कतर में रहने के दौरान ही परमिंदर को ब्रेन स्ट्रोक आया, लेकिन कतर सरकार, कतर में भारतीय मिशन और कई सामुदायिक संगठनों की मदद से परमिंदर की घर वापसी संभव हुई। कतर में भारतीय दूतावास और सामुदायिक संगठनों की मदद कतर में भारतीय राजदूत विपुल ने दूतावास के प्रथम सचिव ईश सिंघल के साथ मिलकर स्थानीय और सामुदायिक संगठनों की मदद से परमिंदर की सहायता की। इंडियन कम्युनिटी बेनेवोलेंट फोरम, पुनर्जनी और सिंह सेवा ग्रुप कतर जैसे संगठनों ने परमिंदर की नियमित देखभाल की और उसके मेडिकल खर्चों और खाने-पीने का पूरा ध्यान रखा। कतर के हमास मेडिकल कॉर्पोरेशन और कतर एयरवेज ने भी परमिंदर की स्वदेश वापसी में मदद की। कतर के हमास मेडिकल कॉर्पोरेशन और कतर एयरवेज ने भी परमिंदर की स्वदेश वापसी में मदद की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से फोन पर बात भी की।

'मुझे इस अपराध की नहीं थी जानकारी'

20 साल तक एपस्टीन के वकील रहे इंडाइक का चौंकाने वाला बयान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। कुख्यात वित्त कारोबारी और यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के मामले में उनके लंबे समय तक वकील रहे डैरेन इंडाइक का बड़ा और चौंकाने वाला बयान सामने आया है। उन्होंने हाउस ओवरसाइट कमेटी में कहा कि उन्हें नाबालिग लड़कियों के शोषण की जानकारी नहीं थी। उन्होंने जोड़ा कि अगर पता होता, तो वह एपस्टीन के घिनौने खेल का हिस्सा नहीं बनते। दुनियाभर में कुख्यात वित्त कारोबारी और दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन का घिनौना मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। नए-नए खुलासों और दस्तावेजों ने दुनियाभर के कई बड़े नेताओं और अरबपतियों की नींद उड़ा दी है। इसी बीच अमेरिका में एपस्टीन के लंबे समय तक निजी वकील रहे डैरेन इंडाइक ने हाउस ओवरसाइट कमेटी के सामने चौंकाने वाला बयान दिया। उन्होंने साफ कहा कि उन्हें एपस्टीन की तरफ से नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण की जानकारी उस समय नहीं थी। हाउस ओवरसाइट कमेटी के सामने दिए गए अपने बयान इंडाइक ने यह भी जोड़ा कि अगर उन्हें पता होता, तो वह एपस्टीन के घिनौने खेल का हिस्सा बनने से खुद को तुरंत अलग कर लेते। उनके बयान ने जांच में नई हलचल पैदा कर दी है और सवाल खड़े कर दिए हैं कि आखिर इतने बड़े कुकृत्यों के बावजूद एपस्टीन के

करीबियों ने कैसे आंखें बंद रखीं। 20 साल तक एपस्टीन के वकील रहे इंडाइक बता दें कि इंडाइक लगभग 20 साल तक एपस्टीन के वकील रहे। उनके अलावा एपस्टीन के पूर्व अकाउंटेंट रिचर्ड कान, उनके बड़े ग्राहक लेस वेक्सनर और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़े आरोपों में शामिल अन्य लोग भी कमेटी को बता चुके हैं कि उन्हें शोषण की जानकारी नहीं थी। इंडाइक के बयान पर डेमोक्रेट सांसदों ने क्या कहा? दूसरी ओर डेमोक्रेट सदस्यों ने इंडाइक के जवाबों को रक्षा की मुद्रा वाला बताया। उन्होंने कहा कि वे और उनके सहयोगी कान बार-बार सच छुपा रहे हैं। दोनों ही एपस्टीन की संपत्ति के निष्पादक हैं और इस साल उन्होंने उनके खिलाफ चल रही क्लास एक्शन केस को $35 मिलियन में सुलझाने पर सहमति जताई, जिसमें उन पर एपस्टीन की अवैध गतिविधियों में वित्तीय लाभ लेने का आरोप था। कमेटी ने और दस्तावेज जारी करने की मांग की कमेटी ने एपस्टीन की संपत्ति से और दस्तावेज जारी करने की मांग की, खासकर उन मामलों से जुड़े जो वर्जीनिया गिउफ्रे ने गिस्लेन मैक्सवेल के खिलाफ दाखिल किए थे। वहीं, डेमोक्रेट सदस्यों ने 2019 के एक आरोप पर भी सवाल किया जिसमें एक महिला ने ट्रंप के खिलाफ बयान दिया था। हालांकि, कमेटी के रिपब्लिकन अध्यक्ष जेम्स कोमर ने कहा कि ट्रंप का इससे कोई संबंध नहीं है और डेमोक्रेट केवल राष्ट्रपति पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। गौरतलब है कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, यह मामला पार्टिसिपेटिक सहयोग से राजनीतिक विवाद में बदल गया है। डेमोक्रेट सांसद एपस्टीन के शिकार और जानकार लोगों के साथ सार्वजनिक सुनवाई करने की योजना बना रहे हैं, चाहे रिपब्लिकन इसमें शामिल हों या नहीं।

ऑटो पार्ट्स बनाने वाली फैक्ट्री में लगी भीषण आग, 50 लोग घायल; कई के फंसे होने की आशंका

सियोल (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया की एक ऑटो पार्ट्स बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लगी है। इस आग की चपेट में आकर कम से कम 50 लोग घायल हुए हैं। घायलों में से कई की हालत गंभीर है। दक्षिण कोरिया की एक ऑटो पार्ट्स बनाने वाली फैक्ट्री में शुक्रवार को आग लग गई है, जिसकी चपेट में आकर कम से कम 50 लोग घायल हो गए हैं। घटना दक्षिण

कोरिया के शहर देयजियोन में घटी। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया की नेशनल फायर एजेंसी के अनुसार, घायलों में 35 लोगों की हालत गंभीर है। घटनास्थल से सामने आए वीडियो में फैक्ट्री परिसर से घना काला धुआं उठता दिखाई दिया। आग लगने की वजह अभी तक साफ नहीं अभी यह साफ नहीं है कि फैक्ट्री के अंदर कितने कर्मचारी फंसे हुए हैं। अग्निशमन विभाग ने आशंका जताई है कि हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। आग लगने की सूचना दोपहर में मिली थी। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। आग पर काबू पाने के लिए 200 से अधिक दमकलकर्मियों और 70 से ज्यादा वाहनों को तैनात किया गया है। वहीं, प्रधानमंत्री किम मिन-सोक हालात पर नजर बनाए हुए हैं और उन्होंने आग पर काबू पाने और राहत-बचाव कार्यों के लिए सभी संसाधनों और कर्मियों की पूर्ण तैनाती के निर्देश दिए हैं।

युद्ध की जिद में श्रीलंका नहीं देगा अमेरिका का साथ, कहा- विमानों को लैंडिंग की अनुमति नहीं

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका ने अपनी तटस्थता बनाए रखने के लिए अमेरिकी लड़ाकू विमानों को अपने हवाई अड्डे पर उतरने से रोक दिया। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने संसद में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा श्रीलंका किसी भी दबाव में आए बिना पश्चिम एशिया तनाव के बीच अपनी तटस्थ नीति पर कायम रहेगा। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने संसद में एक बड़ी जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि श्रीलंका ने मार्च की शुरूआत में अपने मत्तला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दो अमेरिकी लड़ाकू विमानों को उतरने की अनुमति नहीं दी। राष्ट्रपति के अनुसार, जिबूती स्थित बेस से दो अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने चार और आठ मार्च को श्रीलंका आने की अनुमति मांगी थी। इन विमानों पर आठ एंटी-शिप मिसाइलें तैनात थीं। श्रीलंका सरकार ने इन दोनों ही अनुरोधों को ठुकरा दिया। दिसानायके ने कहा कि कई तरह के दबावों के बावजूद श्रीलंका अपनी तटस्थता बनाए रखना चाहता है। उन्होंने साफ किया कि वे किसी के आगे नहीं झुकेंगे। पश्चिम एशिया के युद्ध से चुनौतियां पैदा हो रही हैं, लेकिन श्रीलंका तटस्थ रहने के लिए हर संभव कोशिश करेगा। यह बयान अमेरिकी विशेष दूत सर्जियो गोर के साथ राष्ट्रपति की मुलाकात के एक दिन बाद आया है। उस बैठक में समुद्री रास्तों की सुरक्षा, व्यापारिक संबंधों और एक स्वतंत्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर चर्चा हुई थी। इस घटनाक्रम का संबंध कुछ अन्य समुद्री घटनाओं से भी है। चार मार्च को अमेरिका ने गाले के पास ईरानी जहाज 'आइरिस डेना' पर हमला किया था।

लाइव आकर नेतन्याहू बोले- ईरान की परमाणु क्षमता खत्म, बैलिस्टिक मिसाइल भी नहीं बना पाएगा

तेल अवीव (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष 21वें दिन में प्रवेश कर चुका है। अमेरिका और इस्त्राइल के हमलों से ईरान भी पलटवार कर रहा है। इस बीच बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने अमेरिका को युद्ध में नहीं धकेला, राष्ट्रपति ट्रंप अपना फैसला खुद लेते हैं। इस दौरान उन्होंने ईरान के परमाणु क्षमता को लेकर भी बड़ा दावा कर दिया। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा? पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्त्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्त्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 21वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच अब इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक साथ कई सारे सवालों का जवाब दिया। इतना ही नहीं ईरान की परमाणु क्षमता को लेकर बड़ा दावा भी कर दिया। चुकी सोशल मीडिया, बयानबाजी और दावों के दौर में सवाल उठ रहे थे नेतन्याहू जिंदा हैं कि नहीं? इस संघर्ष में अब ईरान की स्थिति क्या है? होर्मुज पर जारी संकट कब तक रहेगा? और अमेरिका की आगे अब क्या-क्या भूमिका हो सकती थी? इस्त्राइली पीएम नेतन्याहू ने लाइव आकर एक-एक कर सभी सवालों का

जवाब दिया। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा? मैं जिंदा हूं- बेंजामिन नेतन्याहू इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि बीते कई दिनों से उनकी मौत को लेकर खूब दावे किए जा रहे थे। इसके जवाब में नेतन्याहू ने कई सारे वीडियो भी साझा कर अपने जीवित होने का दावा भी किया था। ईरान के परमाणु क्षमता को लेकर बड़ा दावा इस दौरान नेतन्याहू ने ईरान की परमाणु क्षमता को लेकर भी बड़ा दावा किया, जो कि अब चर्चा का विषय बन गया है। नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका और इस्त्राइल के 20 दिन के हवाई हमलों के बाद ईरान के पास अब यूरेनियम समृद्ध करने या बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की क्षमता नहीं बची है। अब ईरान परमाणु हथियार नहीं बना सकता। उन्होंने दावा किया कि ईरान का मिसाइल और ड्रोन भंडार भारी नुकसान झेल रहा है और जल्द ही पूरी तरह नष्ट हो जाएगा। नेतन्याहू ने कहा कि हम जीत रहे हैं और ईरान को बुरी तरह क्षतिग्रस्त किया जा रहा है। हम अब उन फैक्ट्रियों को नष्ट कर रहे हैं जो इन मिसाइलों और परमाणु हथियारों के घटक तैयार करती हैं। हालांकि, नेतन्याहू ने अपने इन बयानों और दावों को लेकर किसी भी प्रकार के कोई सबूत सबूत नहीं पेश किया। डोनाल्ड ट्रंप को लेकर क्या बोले नेतन्याहू नेतन्याहू ने इस संघर्ष में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका को लेकर भी विस्तार से बातचीत की। नेतन्याहू ने जोर देते हुए कहा कि उन्होंने इस युद्ध में ट्रंप को नहीं धकेला। ट्रंप अपना फैसला खुद लेते हैं। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि इस युद्ध में अमेरिका इस्त्राइल के लिए नहीं, इस्त्राइल के साथ युद्ध लड़ रहा है। इस्त्राइली ऑपरेशन के लक्ष्य पर जोर पत्रकारों से बातचीत के दौरान एक बार फिर नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ चलाए गए इस्त्राइल के ऑपरेशन राइजिंग लायन के लक्ष्य पर जोर दिया। प्रेस वार्ता की शुरूआत में उन्होंने कहा कि मैं जिंदा हूं और आप सभी इसके साक्षी हैं। नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका और इस्त्राइल ईरान पर पूरी ताकत और संकल्प के साथ कार्रवाई कर रहे हैं।

बोतलबंद पानी पीना महंगा, 11 फीसदी तक बढ़ी कीमत; प्लास्टिक लागत बढ़ने से कंपनियों पर दबाव

नईदिल्ली (एजेंसी)। ईरान युद्ध और बढ़ती तेल कीमतों का असर अब भारत के बोतलबंद पानी बाजार पर दिख रहा है।

प्लास्टिक बोतलों की लागत बढ़ने से कीमतों में 8-11% तक इजाफा हुआ है। बिसलेरी समेत बड़ी कंपनियों ने दाम बढ़ाए हैं। 70% भूजल दूषित होने के कारण बोतलबंद पानी की मांग पहले से ही ज्यादा है, ऐसे में बढ़ती कीमतें उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ डाल रही हैं। ईरान युद्ध के चलते देश में बोतलबंद पानी की कीमत में 11 फीसदी की वृद्धि हुई है। ऐसा इसलिए, क्योंकि प्लास्टिक की बोतलों और ढक्कनों के दाम बढ़ गए हैं। 140 करोड़ की आबादी वाले इस देश में स्वच्छ जल एक विशेषाधिकार है, क्योंकि शोधकताओं का कहना है कि 70 फीसदी भूजल दूषित है। बिसलेरी, कोका-कोला, रिलायंस इंडस्ट्रीज, पेप्सी और टाटा सभी पांच अरब डॉलर के बाजार में हिस्सेदारी के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। तेल की बढ़ती कीमतों से पॉलिमर की लागत बढ़ रही है, जो उद्योग की प्लास्टिक की बोतलों के लिए एक प्रमुख सामग्री है, जिससे बाजार पर दबाव बढ़ रहा है। बोतलबंद पानी के बाजार के एक तिहाई हिस्से पर कब्जा करने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी बिसलेरी ने कीमतों में 11 फीसदी वृद्धि की है। एक लीटर पानी की 12 बोतलों के एक बॉक्स की कीमत अब 240 रुपये होगी, जबकि पहले यह 216 रुपये थी। बिसलेरी के सीईओ एंजेलो जॉर्ज ने कहा, पैकेजिंग सामग्री की लागत में भारी वृद्धि के कारण पैकेटबंद पेयजल की कीमत 20 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ गई है।

अफगानिस्तान पर हमला कर इस्लामी दुनिया के निशाने पर आया पाकिस्तान

मुस्लिम धर्मगुरुओं ने की निंदा

काबुल (एजेंसी)। पाकिस्तान के हवाई हमले की इस्लामी धर्मगुरुओं ने निंदा की है। अंतरराष्ट्रीय मुस्लिम विद्वान संघ ने पाकिस्तान से हमले रोकने और रिहैब अस्पताल पर हमले की जांच कराने की मांग की है। अफगानिस्तान पर हवाई हमला कर 400 लोगों की जान लेने के चलते पाकिस्तान इस्लामी दुनिया के भी निशाने पर आ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुस्लिम विद्वान संघ ने अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के हवाई हमले की कड़ी निंदा की है। अफगानिस्तान के टोलो न्यूज ने यह जानकारी दी है। मुस्लिम

विद्वानों ने पाकिस्तानी हमले को इस्लामी सिद्धांतों और अंतरराष्ट्रीय कानून, दोनों का उल्लंघन बताया। पाकिस्तान के हवाई हमले की जांच की मांग टोलो न्यूज के अनुसार, मुस्लिम धर्मगुरुओं ने अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता जताते हुए पाकिस्तान और उसके सैन्य नेतृत्व से इस तरह की कार्रवाईयों को तुरंत रोकने की अपील की और साथ ही रिहैब अस्पताल पर हवाई हमले की जांच कराने की भी मांग की। मुस्लिम धर्मगुरुओं के संघ ने जांच के लिए पारदर्शी, स्वतंत्र आयोग का गठन करने की अपील भी की। पाकिस्तान ने अस्थायी तौर पर रोका ऑपरेशन इससे पहले पाकिस्तान ने ईद-उल-फित्तर के चलते मित्र इस्लामी देशों के अनुरोध पर अफगान तालिबान के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन गजब लिल हक को अस्थायी तौर पर रोकने का फैसला किया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने बुधवार को यह जानकारी दी। तरार ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'आगामी इस्लामी त्योहार ईद-उल-फित्तर के मद्देनजर, अपनी पहल पर और साथ ही सऊदी अरब साम्राज्य, कतर और तुर्किये जैसे मित्र इस्लामी देशों के अनुरोध पर, इस्लामी गणराज्य पाकिस्तान की सरकार ने अफगानिस्तान में आतंकवादियों और उनके ठिकानों के खिलाफ ऑपरेशन गजब लिल हक को अस्थायी विराम देने का फैसला किया है।'

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।